हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 101, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 अक्टूबर, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

वायु सेना दिवस पर एयर फोर्स में अग्निवीरों का पहला बैच व महिला अग्निवीर हुई शामिल

वायु सेना अध्यक्ष चीफ एयर मार्शल ने परेड के दौरान झंडा बदलने के साथ वायु योद्धाओं को दिलाई शपथ

प्रयागराज। वायु सेना की 91वीं वर्षगांठ पर रविवार को एक और नया अध्याय जुड़ गया है। आज भारतीय वायुसेना को नया झंडा मिला है। यह बदलाव 72 वर्ष बाद किया गया है। वायु सेना अध्यक्ष चीफ एयर मार्शल वीआर चौधरी ने परेड के दौरान झंडा बदलने के साथ वायु योद्धाओं को शपथ भी दिलाई। वायु सेना दिवस के अवसर पर वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य ने बल को स्वदेशी क्षमता विकसित करके आयात पर निर्भरता कम करने का अवसर प्रदान किया है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने विकसित होती वायु शक्ति की बारीकियों को समझने, "शांति बनाए रखने की गति निर्धारित करने और यदि आवश्यक हो, तो युद्ध लड़ने और जीतने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और भारतीय वायुसेना को अपने रास्ते में आने वाली सभी नई चुनौतियों का सामना करना होगा। उन्होंने कहा

कि इस जटिल और गतिशील रणनीतिक माहौल में, हमारी रणनीति को परिष्कृत करना, मजबूत सर्वांगीण क्षमताओं का निर्माण करना और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य के युद्धों पर मुकदमा चलाने के लिए एक लचीली मानसिकता विकसित करना निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा, 'वायु और अंतरिक्ष बल बनने की हमारी खोज में, हमें अंतरिक्ष क्षेत्र के महत्व को पहचानना चाहिए और अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास जारी रखना चाहिए। वायुसेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि वायु सेना बल को उभरते खतरों और चुनौतियों से आसानी से निपटने में सक्षम बनाने के लिए नवाचार हमारे डीएनए का हिस्सा होना चाहिए। हमें अपने संचालन, प्रशिक्षण, रखरखाव और प्रशासन के हर पहलू में खुद को उच्चतम मानकों पर रखना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी बनने का प्रयास करना चाहिए। हमें तकनीकी श्रेष्ठता बनाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान, विकास और अधिग्रहण में निवेश करना चाहिए।

भारत-चीन को एक-दूसरे पर भरोसा करने की जरूरत, तवांग मठ ने दी सलाह

तवांग। भारत-चीन के बीच बढ़ते तनाव को रोकने के लिए तवांग मठ ने सलाह दी। मठाधीश ने कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे पर भरोसा रखने और बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाने के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है। दशकों पहले तिब्बत से भारत आए मठाधीश शेडलिंग तुलकू थुप्टेन तेंदर रिंपोछे ने दावा किया कि तिब्बत में कोई धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने कहा कि वह घर वापस तभी जाएंगे जब इन मुद्दों का समाधान हो जाएगा। मठाधीश ने कहा कि भारत और चीन की सरकारों को एक दूसरे पर भरोसा रखना होगा। उसके बाद उन्हें स्थिति के पीछे की सच्चाई जानते की जरूरत है कि आखिर वास्तविकता क्या है। उन्होंने कहा कि हमें उनके दावों पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि आखिर सच्चाई क्या है। दोनों देशों के बीच मुद्दों के समाधान के लिए चर्चा को एकमात्र विकल्प बताया। उन्होंने कहा, 'हम तिब्बत, चीन या भारत में रहने वाले लोगों की समस्याओं को युद्ध से हल नहीं कर सकते। हम शांतिपूर्ण तरीके से चर्चा करके ही समाधान कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि तिब्बत में कोई धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है, जहां से वह 1960 के दशक में चले आए थे और तब से केवल एक बार 2001 में वापस गए थे।

कनाडा से रची जा रही भारत विरोधी बड़ी साजिश खुफिया एजेंसियां अलर्ट, वायरल पोस्टर से हड़कंप

जालंधर (पंजाब)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी नापाक कोशिश में जुट गए हैं। वह नौ अक्तूबर को पंजाब में कनाडा धन्यवाद दिवस मनाने की तैयारी में जुटे हैं। यह जानकारी मिलने के बाद पंजाब में केंद्रीय और प्रदेश की खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। इसी बीच सांसद सिमरनजीत सिंह मान का कनाडा व निज्जर के साथ पोस्टर वायरल हो रहा है। पोस्टर में लिखा है सिख और मानवाधिकार पसंद नौ अक्तूबर को कनाडा के साथ थैंक्स गिविंग-डे मनाएं। यह पोस्टर फतेहगढ़ यूनिट द्वारा रिलीज किया गया है। पोस्टर में जरनैल सिंह भिंडरावाला, सांसद सिरमनजीत सिंह मान, हरदीप सिंह निज्जर, कनाडा के पीएम जस्टिन त्रुदो के अलावा स्थानीय इकाई के नेताओं की तस्वीरें हैं। बता दें कि यह कार्यक्रम ऐसे समय में किया जा रहा है जब भारत और कनाडा के बीच संबंधों में दरार आई हुई है। दोनों में आतंकवाद के मुद्दे पर कड़वाहट बनी हुई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित तनेजा का कहना है कि सांसद मान ने लोकसभा में जाने से पहले भारतीय संविधान की कसम खाई थी और अब उसी संविधान के खिलाफ देश के टुकड़े करने की साजिश रच रहे हैं लेकिन उनके मंसूबे कामयाब नहीं होगे। पंजाब में हिंदू सिख भाईचारा सांझ एक मिसाल है। वहीं कनाडा खालिस्तान समर्थक अब भारतीय राजनयिकों की हत्या करने के लिए उकसा रहे हैं। सरी स्थित श्री गुरु नानक गुरुद्वारे में पोस्टर लगाकर तीन भारतीय राजनयिकों की हत्या की मांग की है। यह वही गुरुद्वारा है जिसका अध्यक्ष हरदीप सिंह निज्जर था। इसी गुरुद्वारे के सामने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की गई थी। 21 अक्तूबर को खालिस्तानी समर्थकों ने फिर से वैंकूवर में भारतीय दूतावास के सामने 'किल इंडिया' जैसे नारों के साथ एक कार रैली का आयोजन करने का कार्यक्रम बनाया है। कनाडा में इसका खासा विरोध भी हो रहा है। भारतीय मूल के जोगिंदर सिंह बासी का कहना है कि चंद लोग भारत व कनाडा के रिश्तें खराब कर रहे हैं। खालिस्तानी व कट्टरपंथी भारत को तोड़ना चाहते हैं और इसी चक्कर में दोनों देशों में काफी तनाव है। कनाडा में भारतीय राजदूत की हत्या के लिए लोगों को उकसाना एक बड़ा अपराध है।

अभी लोगों को नाराज करने का खतरा नहीं उठा सकती शिंदे सरकार, टोल टैक्स बढ़ने पर बोले मनसे प्रमुख

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम ने मुंबई की सीमाओं पर मौजूद टोल बूथों पर एक अक्तूबर से टोल टैक्स बढ़ा दिया है। इसका महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना

(मनसे) के नेता विरोध कर रहे हैं। पार्टी के नेता अविनाश जाधव चार दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। ऐसे में, मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने जाधव से मुलाकात की। साथ ही कहा कि वह इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। मनसे प्रमुख ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। उनके सामने टोल वृद्धि और राज्य के लोगों के सामने आ रही अन्य परेशानियां रखेंगे। इन सभी मुद्दों पर सीएम के बात की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिवसेना-भाजपा गठबंधन ने अपने चुनावी घोषणापत्र में महाराष्ट्र को टोल मुक्त बनाने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि शिंदे ने पहले टोल के संबंध में अदालत में एक याचिका दायर की थी, जिसे बाद में वापस ले लिया था। उन्होंने महाराष्ट्र सीएम से सवाल किया कि उन्होंने किसके निर्देश पर याचिका वापस ले ली थी? मनसे नेता ने लोगों से अपने हक के लिए विद्रोह करने को कहा। उन्होंने कहा कि लोग आगे आएंगे तभी सरकार को उसकी गलतियों को एहसास होगा। ठाकरे ने कहा, 'सत्तारूढ़ पार्टी को यह ध्यान रखना चाहिए कि चुनाव पास ही हैं। ऐसे में आम नागरिकों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकती। सत्तारूढ़ पार्टी चुनावों के दौरान जो भी वादा करती है, वह एक धोखा है। नागरिकों को अपने मत का प्रयोग करते समय इसका एहसास होना चाहिए।

फ्रांस और इटली के लिए रवाना होंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए अहम दौरा

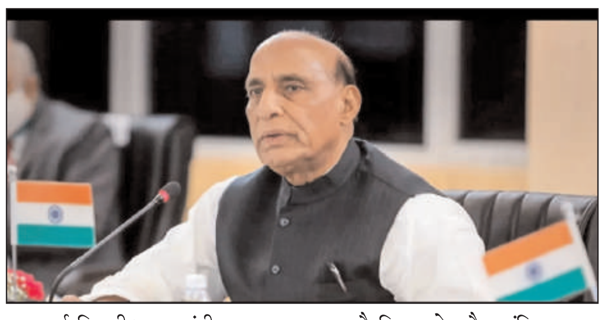

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इटली और फ्रांस की यात्रा के लिए रवाना होने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, वह 09 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक से विदेशी देशों के दौरे पर रहेंगे। रक्षा मंत्रालय की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। साथ ही, एक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान, उनका रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रिसेटो से मिलने का कार्यक्रम है। मार्च 2023 में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दूसरे और अंतिम चरण के दौरान, राजनाथ सिंह पेरिस में अपने समकक्ष, फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता का संचालन करेंगे। भारत और फ्रांस ने हाल ही में रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण औद्योगिक सहयोग सहित मजबूत और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं। रोम और पेरिस दोनों देशों में, केंद्रीय मंत्री औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसरों पर चर्चा करने के लिए रक्षा उद्योग के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

सिक्किम में राहत और बचाव कार्य हुआ तेज आईटीबीपी ने 56 को बचाया, 81 लोग अभी भी लापता

गंगटोक। सिक्किम में बीते बुधवार को बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। आईटीबीपी ने उत्तरी सिक्किम में राहत और बचाव कार्य के दौरान 56 लोगों को बचाया है। इसके अलावा अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है। एक समाचार एजेंसी ने आईटीबीपी के हवाले से बताया कि उत्तरी सिक्किम के चुंगथांग में राहत और बचाव कार्य के दौरान 56 लोगों को बचाया गया है। आईटीबीपी अधिकारियों ने बताया कि जिस दिन तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आई। उस दौरान चुंगथांग को भी सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा था। आईटीबीपी ने बताया कि राहत और बचाव कार्य के दौरान जिन 56 लोगों को बचाया गया है। उनमें 52 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। आईटीबीपी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि उत्तरी सिक्किम के चुंगथांग में आईटीबीपी की टीम ने रोपवे के माध्यम से 56 लोगों को बचाया है।

बता दें कि सिक्किम में बाढ़ में लापता हुए 81 लोगों की तलाश अभी भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 30 शव मिल चुके हैं। सिक्किम राज्य आपदा के अनुसार, बुधवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई थी। इस बाढ़ से चार जिलों के 41,870 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिले भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बताते चलें कि सिक्किम में बाढ़ से मरने वालों में से 19 लोग पाकयोंग, छह गंगटोक, चार मंगन और एक नामची का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान के लिए विशेष रडार, ड्रोन और सेना के कुत्तों को तैनात किया गया है। अब तक विभिन्न क्षेत्रों से 2,563 लोगों को बचाया गया है और 6,875 लोगों ने राज्य भर में स्थापित 30 राहत शिविरों में शरण ली है। इसके अलावा इस बाढ़ ने 1,320 से अधिक घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है और चार जिलों के 13 पुल भी बह गए। अधिकारियों ने कहा कि मंगन जिले के लाचेन और लाचुंग में फंसे 3,000 से अधिक पर्यटक सुरक्षित हैं।

बेंगलुरु में पटाखे की दुकान में आग लगने से 14 लोगों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के अट्टीबेले में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां एक पटाखे की दुकान में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने घटना की निंदा की। उन्होंने आज घटनास्थल का दौरा भी किया। सिद्दरमैया ने कहा कि बेंगलुरु में एक दुखद घटना ने 14 लोगों की जान ले ली है। अभी मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। हमें यह जांच करने की आवश्यकता है कि दुकान के पास आवश्यक लाइसेंस और सुरक्षा सावधानियां थीं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी जांच कर दुकान मालिक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। यह विनाशकारी घटना भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों के महत्व की याद दिलाती है। कर्नाटक के डीजीपी आलोक मोहन ने बताया कि पटाखे की दुकान में आग लगने से 14 लोगों की जान चली गई। हम सही तरीके से जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि मामले में कुल पांच लोग आरोपी हैं। मालिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हम विभिन्न एजेंसियों की खामियों पर भी गौर करेंगे।

हिजबुल्लाह ने ली इजरायल पर मोर्टार हमले की जिम्मेदारी, कहा- लेबनान से किया अटैक

तेल अवीव। आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह ने रविवार को उत्तरी इजरायल में लेबनान द्वारा किए गए मोर्टार हमले की जिम्मेदारी ली है। इस बात की जानकारी स्थानीय न्यूज एजेंसी 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' की रिपोर्ट के हवाले से दी गई है। आतंकी संगठन ने दावा किया कि उसने विवादास्पद माउंट डोव क्षेत्र में तीन इजरायली सैन्य सुविधाओं पर हमला किया। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने तोपखाने के हमलों से जवाब दिया, लेकिन कितना नुकसान हुआ है, इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि गोले लेबनान सीमा पर विवादित माउंट डोव क्षेत्र में गिरे हैं। आईडीएफ ने कहा कि उसने क्षेत्र में हिजबुल्लाह बुनियादी ढांचे के खिलाफ ड्रोन हमला किया है। एक सैन्य सूत्र के मुताबिक, यह स्थान आतंकवादी समूह द्वारा महीनों पहले इजरायली क्षेत्र में स्थापित किया गया एक तंबू था। हालांकि, इस हमले को लेकर चोट या क्षति की कोई रिपोर्ट नहीं थी। द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक, सेना ने एक बयान में कहा, "आईडीएफ इस प्रकार की संभावना के लिए तैयारी कर रहा है और इजरायली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रों में और किसी भी समय आवश्यक कार्रवाई जारी रखेगा।" टाइम्स

ऑफ इजरायल ने देश के स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि अब तक 300 से अधिक इजरायली मारे गए हैं, हमास के आतंकवादी हमलों में घायल पीड़ितों की संख्या 1,864 तक पहुंच गई है। हमास के आतंकवादी ने शनिवार की सुबह गाजा से इजरायल में घुसपैठ की और नागरिकों पर हमला कर दिया। अभी भी इजरायली सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दक्षिणी इजरायल के गांवों में उनकी तलाश की जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, सुरक्षा बलों और अन्य लोगों ने कई आतंकवादियों को पकड़ लिया गया है या मार दिया है, जबकि कुछ महिलाएं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिक गाजा में वापस घुसने में कामयाब रहे हैं। इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के कई संदिग्ध ठिकानों पर हमला करते हुए 'ऑपरेशन स्वॉर्ड्स ऑफ आयरन' लॉन्च किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास की घुसपैठ पर इजरायल की प्रतिक्रिया से आतंकवादी समूह को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस बीच, शनिवार को शुरू हुए एक ऑपरेशन में, इजरायली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इजरायल के सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को मार गिराया और सेडरोट पुलिस स्टेशन पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जिस पर कल हमास के आतंकवादियों ने कब्जा कर लिया था।

इजरायल और फलस्तीन जंग के बीच श्रीलंका ने जताई गहरी चिंता, हिंसा को तत्काल रोकने का किया आह्वान

कोलंबो। हमास द्वारा शनिवार (7 अक्टूबर) को इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले किए गए। श्रीलंका ने रविवार को इजरायल और फलस्तीन के बीच हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि 'श्रीलंका, इजरायल और फलस्तीन में हमलों और हिंसा में वृद्धि और इसके परिणामस्वरूप होने वाली जानमाल की हानि से बहुत चिंतित है।'श्रीलंका ने हिंसा को तत्काल रोकने और सभी पक्षों से नागरिक हताहतों को रोकने के लिए अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। शनिवार को हमास ने इजरायल पर हजारों रॉकेट दागे और दर्जनों लड़ाकों को गाजा पट्टी के पास इजरायली शहरों में भेजा। इस हमले में अब तक एक श्रीलंकाई को मामूली चोटें आई हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम उन सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हैं।' श्रीलंका मिशन तेल अवीव और रामल्ला में स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले श्रीलंकाई लोगों के संपर्क में हैं। बयान में कहा गया, 'श्रीलंका 1967 की सीमाओं के आधार पर साथ-साथ रहने वाले दो राज्यों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत मापदंडों के अनुरूप बातचीत के जरिए समाधान का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।' इस बीच, हमास के आतंकी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 1,864 हो गई है। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने घायलों और अस्पताल में भर्ती इजरायलियों की संख्या पर स्वास्थ्य मंत्रालय के अपडेट का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी है। वर्तमान में,326 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, 359 को मध्यम चोटें हैं, और 19 की हालत गंभीर है। वहीं, 20 लोगों का इलाज किया जा रहा है और 821 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों द्वारा 223 और व्यक्तियों की निगरानी की जा रही है।

संपादकीय

रुख में नरमी काफी नहीं

कनाडा के साथ रिश्तों में आई दरार के बीच भारत दोनों तरफ राजनयिकों की मौजूदगी में समानता सुनिश्चित करने को लेकर अपने रुख पर अड़ा है। दोनों के बीच तकरार का यह मुद्दा इस लिहाज से दिलचस्प कहा जा सकता है कि भारत इस पर खुलकर सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रख रहा है जबकि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो कह रहे हैं कि वह कूटनीतिक चैनलों के जरिए ही संवाद करना चाहेंगे क्योंकि कूटनीति अपने प्राइवेट रूप में ज्यादा प्रभावी होती है। उनकी इस बात से कोई असहमति नहीं हो सकती, लेकिन यह बात हैरान जरूर करती है कि इस सचाई का अहसास उन्हें इतनी देर से हुआ। वरना अपने देश में हुई एक हत्या का इल्जाम खुले रूप में भारत के मत्थे मढ़कर वह दोनों देशों के रिश्तों को यूं खतरे में नहीं डालते। वह भी तब, जबकि इस इल्जाम को सही साबित करने वाले सबूत भी हाथ में न हों। हो सकता है उन्हें ऐसा लगा हो कि अगर वह ऐसा करेंगे तो उससे ज्यादा दबाव बनेगा और फिर भारत को झुकाना संभव हो जाएगा। मगर पिछले करीब एक पखवाड़े के अनुभव ने साबित कर दिया कि यह उनकी गलतफहमी थी। इस दौरान वह न तो अपने दावे के पक्ष में कोई ठोस सबूत दे सके और न ही अन्य देशों को भारत के खिलाफ अपनी तरफ गोलबंद कर सके। उनके रुख में बदलाव के पीछे इस ठोस हकीकत की भूमिका हो सकती है। लेकिन इसके आगे की सचाई यह है कि भारत लगातार कनाडा पर खालिस्तानी तत्वों को खुली छूट देने का जो आरोप लगाता रहा है, उसमें कोई बदलाव नहीं आया है। न तो खालिस्तानी तत्वों ने कनाडा में अपनी सक्रियता घटाई है और न ही कनाडा सरकार उन पर किसी तरह की सख्ती करती नजर आ रही है। भारतीय राजनयिकों के खिलाफ जो पोस्टर हटा लिए गए थे, वे फिर से गुरुद्वारों में लगा दिए गए हैं। इस बीच ये खबरें भी फैलाई जा रही हैं कि कनाडाई इंटेलिजेंस एजेंसी ने ब्रिटिश कोलंबिया के सिखों को सतर्क रहने को कहा है क्योंकि कथित भारतीय एजेंट कुछ खालिस्तानियों को मारने के प्रयास में हैं। इस संबंध में महत्वपूर्ण बात यह है कि कनाडा सरकार की तरफ से इन खबरों का खंडन भी नहीं किया जा रहा। यही नहीं, खालिस्तान समर्थक ग्रुप्स वेंकुवर में इंडियन कॉन्सुलेट के सामने अगले 21 अक्टूबर को किल इंडिया कार रैली करने की तैयारी कर रहे हैं जिसका मकसद 28 अक्टूबर को होने वाले कथित जनमतसंग्रह के लिए फंड जुटाना बताया जा रहा है। जाहिर है, कनाडा के पीएम ट्रूडो को समझना होगा कि दोनों देशों के रिश्ते इस तरह के माहौल में नहीं फल-फूल सकते। कूटनीति की कामयाबी के लिए प्राइवेसी के साथ ही आपसी विश्वास और पारस्परिक हितों के प्रति सम्मान का भाव होना भी जरूरी है।

शुरू हो गई जंग !

दग रहे हैं गोले ।
शुरू हो गई जंग ।।
है किसने ये छेड़ा ।
और किसको आनंद ।।
निदोषों पर सरेआम ।
हुआ है प्रहार ।।
हो रहा जरुरी इसका ।
जल्द कुछ उपचार ।।
कहती है ये दुनिया ।
अपने को महान ।।
उलझ रहे पर मुद्दे ।
असफल सारा ज्ञान ।।
जो इसके है पीछे ।
सबक कड़ा सिखाना ।।
बुरी ताकतें सक्रिय ।
सदमे में जमाना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

चुनावी रथ में ही क्यों सवार होती हैं जन-हित योजनाएं

ललित गर्ग

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा एवं पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की आहट अब साफ-साफ सुनाई दे रही है, राज्यों में चुनावी सरगर्मियां उग्र हो चुकी है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ने लगे हैं। जिन पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें राजस्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बहुत पहले ही विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है, वे हर दिन किसी-न-किसी लुभावनी एवं जनकल्याणकारी योजना की घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा सहित विभिन्न योजनाओं की तरह अब उन्होंने प्रदेश के 240 राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित करने का ऐलान किया किया है। निश्चित ही एक आदर्श राज्य के रूप में गहलोत की योजनाओं की देशभर में चर्चा हो रही है, लेकिन क्या इन योजनाओं के बल पर वे पुनः सत्ता प्राप्त करने में सफल हो पायेंगे? असल में गहलोत का मुकाबला इस बार सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से होने जा रहा है। मोदी पहले सीकर एवं अब जोधपुर में जनता का मानस बदलने एवं राजस्थान के गहलोत सरकार के घोटालों को उजागर किया है।

लोकलुभावन घोषणा एवं मुक्त की रेवड़ियां राजस्थान की तरह ही मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह चौहान भी बांट रहे हैं, अभी तो इनके बल पर चुनाव जीते जा सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ेगा, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति दे पाएंगी, इसमें संदेह है। जैसी गारंटियां, लोकलुभावन वादे एवं मुक्त की रेवड़ियां देने की परम्परा दक्षिण से शुरू हुई थी, वैसी ही अब देश के अन्य प्रांतों में वहां की सरकारें कर रही हैं। अभी हाल में दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी ने दस गारंटियां दी थीं। ये गारंटियां और कुछ नहीं लोकलुभावन वादे ही थे, जिन्हें जनकल्याण का नाम दिया गया है। मध्य प्रदेश में मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से छह महीने पहले ही लोक कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा रखी है जिससे राज्य का चुनावी माहौल और गर्मा रहा है।

निश्चित ही राजस्थान में लोकलुभावनी योजनाओं का जनता को लाभ मिला है, राजस्थान का कायाकल्प भी हुआ। गहलोत अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण पारी खेलते हुए एक कद्दावर नेता के रूप में सामने आ रहे हैं। लेकिन मतदाता के मन में ये योजनाएं हैं या और कुछ? यह वक्त ही बतायेगा। लेकिन एक बात बहुत स्पष्ट है कि मतदाता अब ज्यादा जागरूक हुआ है तो गहलोत भी ज्यादा सर्तक, समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें बिछाने शुरू कर दिये हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा प्रदेश की लगभग आठ करोड़ जनता को आजादी के अमृतकाल में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। सभी इस एक दिन के राजा को लुभाने में जुटे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है। विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्रता पर है, इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह भाजपा की स्थिति को मजबूती देते हुए गहलोत सरकार को पछताड़े में लगे हैं। लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हार के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं हार को जीत में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है। गहलोत प्रखर नेता के रूप में न केवल भीतर संघर्ष कर रहे हैं बल्कि भाजपा को चुनौती देने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दूरगामी सोच एवं राजनीतिक कौशल से अनेक प्रभावी योजनाओं को लागू किया है। आज राजस्थान एक ह्यआदर्श राज्यह्न के रूप में उभरा है या नहीं? यह देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में से एक है भी या नहीं है? यह विश्लेषण के विषय हैं। आज देश में राजस्थान की चर्चा सबसे अच्छी सड़कों, सबसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं, सबसे अधिक विश्वविद्यालयों व सबसे आगे बढ़ने वाले राज्य से अधिक गहलोत की योजनाओं के रूप में हो रही है और यह सब योजनाएं चुनावी रथ पर सवाल होकर जीत को सुनिश्चित करने की चेष्ठा है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन पांच राज्यों में जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश एवं प्रदेश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।"

राजस्थान के चुनाव का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य आदि समस्याओं पर नकेल डाली जा सकती है। लेकिन देश एवं प्रदेश बनाने एवं विकास की ओर अग्रसर करने की बजाय सभी दल मुक्त रेवडियां बांट कर एक अकर्मण्य पीढ़ी को गढ़ने की कुचेष्टा करते हैं या येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीत का सेहरा अपने सीर पर बांधना चाहते हैं। कई बार तो ऐसी घोषणाएं भी कर दी जाती हैं, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं होता। उन्हें या तो आधे-अधूरे ढंग से पूरा किया जाता है या देर से अथवा उनके लिए धन का प्रबंध जनता के पैसों से ही किया जाता है। उदाहरणस्वरूप दिल्ली एवं कर्नाटक सरकार ने बिजली मुफ्त देने के वादे को पूरा करने के लिए बिजली महंगी कर दी या नई गलियां निकाल ली। इसी तरह पंजाब सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ा दिया। चुनाव जीतने के लिए वित्तीय स्थिति की अनदेखी कर लोकलुभावन वादे करना अर्थव्यवस्था के साथ खुला खिलवाड़ है। इस पर रोक नहीं लगी तो इसके दुष्परिणाम जनता को ही भुगतने पड़ेंगे। जो चुनाव सशक्त एवं आदर्श शासक नायक के चयन का माध्यम होता है, उससे अगर नकारा, ठग एवं अलोकतांत्रिक नेताओं का चयन होता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं देश की विडम्बना है।

सनातन धर्म को नष्ट करने के विषय में हेट स्पीच करने वालों पर अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

भारत में संविधान और कानून का अस्तित्व होते हुए भी उदयनिधि स्टालिन, प्रियांक खर्गे जैसे मंत्री सनातन धर्म की डेंगू, मलेरिया, एच.आई.वी. इन रोगों से तुलना कर सनातन धर्म को ही समाप्त करने की अतिश्योक्तिपूर्ण तथा अर्बन नक्सलवादियों जैसी बातें कर रहे हैं। इसके भी आगे महाराष्ट्र में निखिल वागळे जैसे स्वयं को आधुनिकतावादी कहलानेवाले पत्रकार, राष्ट्रवादी कांग्रेस के जितेंद्र आव्हाड भी सनातन धर्म को नष्ट करने की भूमिका का समर्थन कर सनातन धर्म देश को लगी दीमक है, इस प्रकार के विषैले वक्तव्य कर रहे हैं। जबकि दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल 2023 को दिए आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि कोई हेटस्पीच कर किसी भी समाज की भावनाएं आहत करने का प्रयास करेगा, तो सरकार को शिकायत करनेवाले की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं संज्ञान लेकर प्राथमिक शिकायत (FIR) प्रविष्ट करनी होगी । यदि इसमें सरकार विलंब करे, तो यह मा. सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना होगी । इतना स्पष्ट आदेश होते हुए भी 100 करोड समाज के सनातन धर्म के विरोध में वक्तव्य करनेवालों पर अभी तक अपराध क्यों प्रविष्ट नहीं किया गया ? इसी कारण सनातन धर्म की रक्षा हेतु तथा सनातन धर्म नष्ट करने के विषय में हेटस्पीच करनेवालों के विरोध में मैं सनातन धर्मरक्षक यह अभियान सर्वत्र चलाया जाएगा । इसके अंतर्गत सनातन धर्मियों में जागरूकता निर्माण करनेवाले व्याख्यान-बैठक आयोजित करना, तथा हेटस्पीच करनेवालों के विरोध में अपराध प्रविष्ट करना, इस प्रकार के कृत्य किए जाएंगे, ऐसी जानकारी हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. रमेश शिंदे ने दी । सहिष्णुता, बंधुता तथा विश्वकल्याण हेतु सुपरिचित सनातन धर्म को नष्ट करने का अर्बन नक्सलवादी निरंतर षडयंत्र कर रहे हैं। सर्वप्रथम जे.एन.यू. में भारत तेरे टुकडे होंगे के देशविरोधी नारे लग रहे थे। तदुपरांत डिसमेंटलिंग ग्लोबल हिन्दुत्व नामक हिन्दुत्व को समाप्त करने हेतु परिषद आयोजित की गई । उस समय विरोध होने पर हम हिन्दू धर्म का नहीं, राजनीतिक हिन्दुत्व का विरोध करते हैं, ऐसा स्पष्टीकरण दिया गया। परंतु अब तो सनातन धर्म को ही नष्ट करने की बातें की जा रही है। यह ओवैसी के 100 करोड हिन्दुओं को समाप्त करने के कथन से कैसे भिन्न है? हेटस्पीच के मुकदमे में, सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिज्ञापत्र में महाराष्ट्र के पुलिस महासंचालक ने बताया है कि 30 अपराध प्रविष्ट हुए हैं। उनमें से अधिकांश अपराध सकल हिन्दू समाज के हिन्दू जनआक्रोश मोर्चा के हिन्दुत्ववादी वक्ताओं के विरोध में हैं । ये अपराध प्रविष्ट होने के पीछे अर्बन नक्सलवादियों से जुडे वामपंथी विचारधारा की तीस्ता सेटलवाड के संगठन सिटिजन फॉर जस्टिस एंड पीस का हाथ है; परंतु इस संगठन ने स्टालिन, प्रियांक खर्गे, निखिल वागळे, आव्हाड इत्यादि के विरोध में हेटस्पीच का एक भी अपराध प्रविष्ट नहीं किया है । इस कारण कुल मिलाकर यह सब सनातन धर्म समाप्त करने का अर्बन नक्सलवादियों का षड्यंत्र है, यह स्पष्ट होता है । अतएव ऐसा षडयंत्र करनेवालों के विरोध में अपराध प्रविष्ट करने के साथ ही उनकी एन.आई.ए. द्वारा जांच की जाए, ऐसी हिन्दू जनजागृति समिति की मांग है।

इन अर्बन नक्सलवादियों का यह सनातन धर्म विरोधी षड्यंत्र सार्वजनिक करने तथा सरकार को उन पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य करने हेतु मैं सनातन धर्मरक्षक यह अभियान समिति की ओर से सर्वत्र चलाया जाएगा तथा इसके अंतर्गत सनातन धर्म का महत्त्व बतानेवाले व्याख्यान लिए जाएंगे, ऐसा भी श्री. शिंदे ने कहा।

कमरतोड़ महंगाई और बेरोजगारी से पाकिस्तान की अवाम बेहाल, बने गृहयुद्ध जैसे हालात

योगेंद्र योगी

जी20 के सफलतापूर्वक हुए आयोजन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में इजाफा हुआ है, वहीं पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान लगातार रसातल की तरफ जा रहा है। पाकिस्तान की हालत नारकीय हो गई है। पाकिस्तान में पेट्रोल 320 रुपए से ऊपर है। आटे का भाव 150 रुपए तक पहुंच गया है। बिजली के बिल ने आम अवाम की कमरतोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 रुपए पाकिस्तान रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सड़क पर है। डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे है। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्जे के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ यह उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी। जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है। पाकिस्तान की एयरलाइंस के दिवालिया होने की वजह से इंटरनेशनल बेइज्जती हो रही है। कुछ दिन पहले सउदी अरब और यूएई में ईंधन के पैसे नहीं चुकाने की वजह से विमानों को रोक लिया गया था। इसके बाद एयरलाइंस अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद ही विमानों को उड़ान भरने की उम्मीद मिली है।

बेरोजगारी का आलम यह है कि फैक्ट्रियां, उत्पाद और व्यवसाय लगभग चौपट हो चुके हैं। विदेशी निवेश शून्य हो चुका है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण पाकिस्तान अपराध की गिरफ्त में आता जा रहा है। बेरोजगारी का आलम यह है कि लाखों युवाओं ने देश छोड? के लिए आवेदन कर रखा है, किन्तु पाकिस्तान की सरकार उन्हें मंजूरी नहीं दे रही है। फाकाकशी के कारण भिखारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात बन गए हैं। सेना ने पाक सत्ता में हस्तक्षेप शुरू कर दिया है। सेना ने डॉलर की कालाबाजारी रोकने के लिए कई स्थानों पर कार्रवाई करी। इससे डॉलर की रेट कुछ रुपए नीचे आ गई।

पाकिस्तान में आई गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है उसके पासपोर्ट की साख नीचे से चौथे नम्बर पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में सरेआम विद्रोह के स्वर गूंज रहे है। बलूचिस्तान के निवासी कारगिल का रास्ता खोले जाने की मांग कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापारिक लेन-देन शुरू हो सके। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर बलूचिस्तान के लाखों लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पाक सेना को हालात को नियंत्रण करने के लिए भेजा गया है। कुछ ऐसी ही हालत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की है। पाकिस्तान की भयावह होती स्थिति का सच पाक मीडिया भी नहीं दिखा रहा है। मीडिया पर पाक सरकार का अंकुश है। सोशल मीडिया पर दबे-छिपे तरीके से पाकिस्तान के हालात उजागर हो रहे हैं। मौजूदा हालत में पाक नागरिक यह कहने लगे हैं कि उन्होंने पाकिस्तान में शामिल होकर कौनसा अपराध कर दिया। पाक सरकार के खिलाफ लोगों को अब किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का डर नहीं है। लोग खुलकर अपने आक्रोश का इजहार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की साख इतनी बदतर हो चुकी है कि संयुक्त अरब अमरात के प्रिंस ने जी20 में शिरकत के लिए पाकिस्तान में 6 घंटे रुकने की घोषणा की थी, किन्तु वे भी इससे पलट गए। इस्लामिक देशों के बूते भारत को धमकाने वाले पाकिस्तान से सभी देशों ने मुंह मोड़ लिया है। भिखारी जैसी हालत वाले पाकिस्तान से कोई भी देश अब रिश्ता रखने से कतराने लगा है। इतना ही नहीं पाकिस्तान के कई शहरों के लोगों के लिए वीजा पर बैन लगाया दिया है। यह नौबत तब आई है जब कई देशों में पाक के लोगों द्वारा लगातार अपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का पता चला। इससे गो बैक पाकिस्तानी की मुहिम चली हुई है। ब्रिटेन में हुए एक सर्वे में 14 प्रतिशत पाकिस्तानी युवाओं को बेकारी और कामचोरी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। ये युवा ब्रिटेन सरकार द्वारा बेरोजगारों के लिए दिए जाने वाले भत्ते पर गुजारा कर रहे हैं। इससे पहले भी सऊदी अरब और दूसरे मुल्क में भी पाकिस्तानियों की बेजा हरकतों के कारण गो पाकिस्तानी का ट्रेंड चल चुका है। पाकिस्तानी डॉक्टर के अमरीका में एक आतंकी योजना में शामिल होने के बाद ऐसा ही ट्रेंड वहां भी चला था। पूरे विश्व में पाकिस्तानियो की किरकिरी हो रही है। आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने पाकिस्तान से कहा है कि गरीबों को राहत देने के लिए अमीरों पर टैक्स लगाएं। पाकिस्तान को अमीरों पर कर लगाने और गरीबों की रक्षा करने के लिए कहा गया है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवारुल हक काकर के साथ बैठक की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह अमीरों पर कर लगाए और गरीबों की रक्षा करे। क्रिस्टालिना ने कहा कि मैंने पाकिस्तान के प्रधान मंत्री से कहा कि अमीरों पर अधिक कर लगाएं और गरीबों की रक्षा करें। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान के लोग भी यही चाहते हैं। यह बैठक पाकिस्तान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने नागरिकों को बिजली बिलों पर कुछ राहत प्रदान करने के लिए आईएमएफ से मंजूरी चाहता है, जिससे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और स्थानीय लोगों में गुस्सा पैदा हो गया है, जो अधिक कर लगाने और बिजली दरों में वृद्धि के लिए सरकार से सवाल करते हैं। उनके लिए अपने बिलों का भुगतान करना असंभव है। अमीर कर चोरी करके बच जाते हैं जबकि गरीबों को बिल भुगतान और वसूली के लिए निशाना बनाया जाता है। लेकिन सवाल यही है क्या पाकिस्तान की अंतरिम सरकार में इतनी हिम्मत है कि रसूखदारों पर ज्यादा टैक्स लगा सके। पाकिस्तान की कर वसूलने वाली सरकारी मशीनरी भ्रष्टाचार की जंग से सडगल चुकी है। अधिकारी और सत्ता में रहे नेता आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। ऐसे में इस बात की संभावना क्षीण है कि पाकिस्तान अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने में दमखम दिखा पाएगा। देखना यही है कि पाकिस्तान अब आईएमएफ की इस सलाह पर कैसे अमल कर पाता है। आईएमफ की इस सलाह से पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपने ही देश की सरकार पर निशाना साध चुके हैं। शरीफ ने कहा कि हमारा देश दुनिया से पैसों की भीख मांग रहा है, वहीं पड़ोसी भारत चांद पर पहुंच गया। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खुद पाकिस्तान की बदहाली की पोल खोल दी है।

कायस्थ महासभा ने मनाई जयप्रकाश नारायण तथा मुंशी प्रेमचन्द की जयन्ती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रवीवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उनके चंदन नगर स्थित आवास पर सम्पूर्ण क्रान्ति के पुरोधा लोकनायक जयप्रकाश नारायण और कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व महासभा के कार्यकताओं ने इन महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया और लोकतंत्र की रक्षा के साथ साथ इस देश में व्याप्त कुरीतियों एवं कुप्रथाओं के खिलाफ संघर्ष करने का भी संकल्प लिया। इस विचार गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि डीएबी इंटर कालेज के पूर्व प्रवक्ता प्रेम कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचंद जी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण दोनों महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। प्रेमचंद जी ने अपनी लेखनी से तो जयप्रकाश जी ने अपने क्रान्तिकारी विचारों से

आजादी की लड़ाई को तेज धार दी और दोनों ने ही समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं कुप्रथाओं के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश जी के राजनीतिक विचार आज भी प्रासंगिक हैं। जयप्रकाश जी को लगभग 30वर्षों तक एकक्षत्र शासन करने वाली और निरंकुश होती जा रही कांग्रेस पार्टी की सरकार को समाप्त कर जनता पार्टी की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए याद किया जाता है। जय प्रकाश जी सही अर्थों में जनता का राज स्थापित करना चाहते थे।इसके लिए उन्होंने सम्पूर्ण क्रान्ति का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद जी ने भी ब्रिटानी हुकूमत के खिलाफ जमकर कलम चलायी। वह साहित्य को सच्चाई के धरातल पर उतारने वाले लेखक थे।वह अपनी लेखनी से सदैव समाज में व्याप्त गैरबराबरी समाप्त कर समता मूलक समाज की स्थापना के लिए संघर्षरत रहें। इस गोष्ठी में मुख्य रूप से शैल श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, सुभांशु, हर्ष, हिमांशु, माधुरी श्रीवास्तव, विभा श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, प्रियांशु श्रीवास्तव, आर्यन श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस गोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

पितृपक्ष माह में आयोजित हुआ गौ-सेवा प्रकल्प

प्रखर वाराणसी। हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय स्थान प्राप्त है। ऐसी मान्यता है कि बड़े से बड़ा कष्ट भी सिर्फ गौ माता की सेवा करने से दूर हो जाता है। श्री अग्रसेन युवा मंच-काशी परिवार ने रविवार को गौ सेवा प्रकल्प का आयोजन किया। गोलघर मैदागिन स्थित गौशाला में सभी गायों को संस्था द्वारा हरे साग पालक रोटी एवं गुड़ खिलाकर मंच सदस्यों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम संयोजक सौरभ अग्रवाल ने बताया गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है । मान्यता है कि पितृपक्ष में गौ सेवा करने से पितृ दोष शांत होते हैं इसी विषय को ध्यान में रखते हुए विशेष कर पितृपक्ष माह में गौ सेवा का आयोजन किया गया जिसमें मंच के सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने श्रद्धा अनुसार गौ-सेवा कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मंच अध्यक्ष अतुल अग्रवाल श्याम के दास, कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, हृदेश अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, आयुष अग्रवाल उपस्थित थे साथ ही श्री श्याम दरबारी मण्डल के मंत्री अभिषेक अग्रवाल एवं सहायक मंत्री श्याम अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही।

बाबा नागार्जुन प्रगतिवाद के प्रमुख हस्ताक्षरों में एक : रंजू यादव

गाजीपुर। पी.जी. कालेज में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया।यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई,जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक,शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।उक्त संगोष्ठी मे भाषा संकाय के हिंदी विषय की शोधार्थिनी रंजू यादव ने अपने शोध शीर्षक "प्रगतिवाद के परिप्रेक्ष्य में नागार्जुन का कथा साहित्य" नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि बाबा नागार्जुन प्रगतिवाद के प्रमुख हस्ताक्षरों में से एक हैं। उनका रचनात्मक संसार अत्यंत विपुल और विराट है। युगधारा,

सतरंगें पंखों वाली, प्यासी पथराई आंखें, तालाब की मछलियां, हजार-हजार बाँहों वाली, भस्मांकुर, रतिनाथ की चाची, बलचनमा, नयी पौध, बाबा बटेसरनाथ, वरुण के बेटे, चित्रा, पत्रहीन नग्न गाछ, पका है कटहल, आदि उनकी प्रमुख रचनायें है। बाबा नागार्जुन जीवन भर शोषण, अत्याचार के खिलाफ अपनी साहित्यिक लड़ाई लड़ते रहे बलचनमा, बाबा बटेसरनाथ वरुण के बेटे, रतिनाथ की चाची इनकी कालजयी औपन्यासिक कृतियाँ हैं। हरिजन गाथा नागर्जुन की कालजयी रचनाओं में से एक है, यह सवर्णों द्वारा दलितों के खिलाफ शोषण और अत्याचार के खिलाफ प्रामाणिक दस्तावेज है। नागार्जुन भारतीय राजनीति के चेतना सम्पन्न कवि थे और आजाद भारत के राजनेताओं की कड़ी आलोचना करते हैं।

अम्बरीष पति त्रिपाठी के निधन पर पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन में शोक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पंडित कमलापति त्रीपाठी के पौत्र स्वर्गीय मंगलापति त्रिपाठी के पुत्र अम्बरीषपति त्रिपाठी (68 वर्षीय) के अचानक हुये असामयिक निधन पर पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन की ओर से गहरा शोक प्रकट करते हुये दिवंगत आत्मा प्रति भावपूर्ण श्रध्दान्जलि अर्पित की गई। इंग्लिसिशिया लाइन स्थित फाउंडेशन कार्यालय में हुई शोक सभा में अपनी भावपूर्ण श्रध्दान्जलि अर्पित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय अम्बरीष पति त्रिपाठी एक जिन्दादिल और सामाजिक तथा राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े ऐसे इन्सान थे जो अपने पारिवारिक दायित्वों को भी हमेशा परम्परानुसार और निष्ठा के साथ निभाते थे उनके असामयिक निधन से औरंगाबाद परिवार को गहरी क्षति पंहुची है। ज्ञात रहे कि कुछ

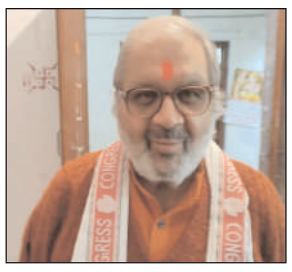

ही दिन पहले सामान्यरुप से अस्वस्थ होने के चलते घर पर ही उनका इलाज चल रहा था और कल अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां कुछ देर के ईलाज के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई उनकी अंत्योष्ठी मणिकर्णिका घाट हुई मुखाग्नि उनके अनुज ने दिया। शवयात्रा से लेकर मणिकर्णिका घाट तक पूर्व एम0एल0सी0 पंडित राजेशपति त्रिपाठी, पूर्व विधायक ललितेशपति त्रिपाठी सहित पूरा त्रिपाठी परिवार, त्रिपाठी परिवार के सन्निकट रहने वाले तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दुःखद घटना के चलते आज पंडित कमलापति त्रिपाठी की पुण्यतिथि से सम्बन्धित वाराणसी में होने वाले सभी कार्यक्रम जहां स्थगित कर दिये गये वहीं हड़िया इलाहाबाद में प्रत्येक वर्ष आज के ही दिन होने वाला कार्यक्रम शोक सभा में परिवर्तित कर दिया गया।

जौनपुर की युवा कवयित्री शुचि मिश्रा भोपाल में सम्मानित, दूसरे काव्य संग्रह 'प्रिज्म' का हुआ विमोचन

प्रखर जौनपुर। मध्यप्रदेश के रवीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय विज्ञान पर्व पर 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' पत्रिका के 350 वें अंक का विमोचन हुआ। इस दौरान जौनपुर की युवा कवयित्री शुचि मिश्रा के दूसरे काव्य संग्रह "प्रिज्म" का विमोचन करते हुए उन्हें लगातार विज्ञान संचारक के रूप में 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' पत्रिका में लिखने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' पत्रिका का विमोचन किया गया। इस दौरान कई बड़े विज्ञान संचारकों द्वारा मूलभूत एवं विभिन्न व्यवहारिक मुद्दों पर चर्चा हुई। जौनपुर के वरिष्ठ विज्ञान संचारक डॉ अरविंद मिश्र ने विज्ञान तथा साहित्य के समन्वय पर चर्चा करते हुए 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' पत्रिका की सराहना की। जिले की निवासी युवा कवयित्री शुचि मिश्रा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में बेहद सक्रिय हैं। गीत, गजल, अनुवाद के साथ ही विभिन्न विधाओं पर कविताएं लिखने में शुचि माहिर हैं। कम समय में ही उनकी प्रतिभा की बदौलत साक्षात्कार, वागर्थ, बहुमत, युग तेवर, अट्ठहास, आकंठ, दुनिया इन दिनों, इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए, विज्ञान प्रगति सहित कई पत्र-पत्रिकाओं में

उनकी रचनाएं प्रकाशित हुईं। विश्वरंग महोत्सव के साथ ही अन्य साहित्यिक गतिविधियों में जौनपुर की बेटी की सक्रिय भागीदारी रही। साहित्य के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी शुचि मिश्रा की गहरी रुचि है। जिससे उन्होंने अल्बर्ट आइंस्टाइन, जगदीश चंद्र बसु और सत्यनाथ बोस पर भी लेखन का कार्य किया।"पृथ्वी झुकी है" कविता पर शुचि मिश्रा को सिंगापुर का प्रसिद्ध कविताई पुरस्कार मिल चुका है। इसके अलावा उन्हें रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित विश्वरंग कार्य्रकम के अंतर्गत विज्ञान पर्व में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सर सी.वी. रमन युवा विज्ञान कविता पुरस्कार और विज्ञान प्रसार दिल्ली की ओर से बिलासपुर में आयोजित विज्ञान कवि सम्मेलन में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया जा चुका हैं। शुचि मिश्रा को अबतक दर्जनों से अधिक अवार्ड मिल चुके है। इस बार भोपाल में शुचि के दूसरे काव्य संग्रह 'प्रिज्म' का विमोचन हुआ है। शुचि के काव्य पाठ की लोगों ने खूब सराहना की। इस दौरान रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ सन्तोष चौबे, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ नन्द किशोर आचार्य, श्री संजय अलंग, पल्लवी त्रिवेदी, अनामिका 'अनु', शेफाली शर्मा, सौरभ पाण्डेय, राकेश रेणु, मोहन सगोरिया, कुमार अनुपम, हेमंत देवलकर समेत आदि लोग मौजूद रहे।

नीलगाय के कूदने से इनोवा कार में बैठी घायल व्रती महिला की हुई मौत

रसड़ा, बलिया। रसड़ा-बलिया मार्ग पर स्थित रेखहां गांव के समीप शुक्रवार की देर शाम को लगभग साढ़े सात बजे तेज रफ्तार इनोवा कार पर अचानक नीलगाय कूद जाने से उसमें सवार महिला पद्मावती देवी (55) पत्नी सुरेंद्र प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गई।जिनकी देर रात में जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि शुक्रवार को क्षेत्र के अमहर पट्टी उत्तर गांव निवासी पद्मावती देवी के साथ कुछ महिलाएं इनोवा कार पर सवार होकर जिउतिया पर्व पर बलिया गंगा स्नान करने गई हुई थीं।देर शाम को लौटते समय अचानक उनकी कार पर एक नीलगाय कूद गई। जिससे कार का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया और अगली सीट पर बैठीं महिला पद्मावती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को रसड़ा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत चिंताजनक होने पर डाक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया घायल, पिस्टल, कारतूस, मोटरसाइकिल बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना खानपुर क्षेत्र अंतर्गत खानपुर पुलिस टीम तथा स्वाट टीम द्वारा 25 हजार का इनामिया मुठभेड़

के दौरान घायल हो गया जो बीते 29 सितंबर की शाम को अपनी माशूका के लिए डिलीवरी बॉय बनकर चॉकलेट देने के बहाने उसके पति को अपने साथियों के साथ मौत के घाट उतार दिया। वीरू यादव जिस पर पुलिस के द्वारा 25000 का इनाम घोषित किया गया था। उसके पास से एक मोटरसाइकिल और एक पिस्तौल भी बरामद हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक सिटी ज्ञानेंद्र प्रसाद ने बताया कि खानपुर थाना क्षेत्र के सिधौना इलाके में पुलिस के द्वारा रोज की भाती वाहन चेकिंग किया जा रहा था उसी वक्त बिहारीगंज क्रॉसिंग के पास संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार एक युवक दिखा जिसे रुकने का जब इशारा किया गया तो वह भागने लगा इस दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग भी किया, पुलिस ने आत्मरक्षा और जवाबी कार्रवाई किया तो उक्त बदमाश को गोली लगी जिससे वह घायल हो गया घायल बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम वीरु यादव बताया है। बताते चले की वीरू यादव 29 सितंबर कि शाम में खानपुर थाना क्षेत्र के सिधौना के पास स्वतंत्र भारती की गोली मारकर हत्या कर दिया था बताया जाता है कि वीरू यादव का स्वतंत्र भारतीय की पत्नी कंचन गिरि से संबंध थे और कंचन गिरि ने ही अपने पति को डिलीवरी बॉय से चॉकलेट लेने के लिए भेजा था। डिलीवरी बॉय के भेष में वीरू यादव ने स्वतंत्र भारती की गोली मार का हत्या कर दी थी इस मामले में दो अन्य हत्यारो को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था वहीं वीरू यादव फरार चल रहा था।

टीबी मुक्त भारत पर स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर, सोमवार से शुरू होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम एनटीईपी और प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और पंचायती राज विभाग के संयुक्त प्रयास से टीबी मुक्त पंचायत बनाने की योजना को धरातल पर उतारने की पहल की जा रही है। टीबी मुक्त पंचायत अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर ग्राम पंचायतों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में टीबी के लक्षणों, जांच और इलाज के बारे में चर्चा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पंचायत की विकास योजनाओं में टीबी मुक्त पंचायत की गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही टीबी मरीज की देखभाल के लिए उसके घर के एक सदस्य अथवा करीबी को फैमिली केयर गिवर भी बनाया जाएगा। इसी को लेकर सोमवार नौ अक्टूबर से सीएमओ कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसमें हर टीबी यूनिट, ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से एक अधिकारी, जिला क्षय रोग केंद्र के एक एसटीएस, एसटीएलएस या हेल्थ सुपरवाइजर के साथ एक सहायक विकास अधिकारी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार व मंगलवार को चलने वाले इस प्रशिक्षण में करीब 35 स्वास्थ्यकर्मियों और 16 सहायक विकास अधिकारियों को प्रशिक्षित कर मास्टर ट्रेनर बनाया जाएगा। यह सभी मास्टर ट्रेनर ब्लॉक पर ग्राम प्रधान, सचिव, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को प्रशिक्षित करेंगे। इसके बाद ग्राम प्रधान और सचिव मिलकर पंचायत समिति के अन्य सदस्यों को प्रशिक्षित करेंगे। सीएचओ, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकताओं व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण लेने के बाद यह लोग समुदाय को टीबी के लक्षण, रोकथाम, भ्रांतियों को दूर करने, उपचार, जांच और उपलब्ध सुविधाओं समेत टीबी रोगियों के लिए सरकार की ओर से प्रदान किये जाने वाले विभिन्न लाभों के बारे में जागरूक करेंगे। इस बारे में

जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक गांव को टीबी मुक्त करने के लिए जांच और उपचार की व्यवस्था को दुरुस्त करना तथा एक वर्ष में प्रत्येक 1000 की आबादी पर 30 संभावित मरीज खोज कर जांच करना है। पिछले तीन सालों में जिन क्षेत्रों में अधिक या कम टीबी मरीज मिले हैं उनकी सूची ग्राम और वार्ड वार तैयार करेंगे। उनमें से हर माह 10-10 ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया जायेगा। इसके बाद वहाँ विशेष ध्यान देकर स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, परामर्श, पोषण व भावनात्मक सहयोग प्रदान कर जल्द से जल्द टीबी मुक्त पंचायत के रूप में घोषित किया जाएगा। इस कार्य में ग्राम प्रधान, सचिव व पंचायत सहायक के साथ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर सहित ग्राम प्रधान, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, एनटीईपी कर्मी व अन्य स्वास्थ्यकर्मी सहयोग करेंगे।

जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिथलेश कुमार ने बताया कि हर टीबी यूनिट पर तैयार होने वाली तीन मास्टर ट्रेनर्स की यह टीम ग्राम प्रधान, सचिव और सीएचओ को प्रशिक्षण देगी। सभी मिलकर क्षय रोगियों की जल्दी पहचान और उपचार के लिए काम करेंगे, जिससे टीबी मुक्त पंचायत का लक्ष्य हासिल किया जा सके। उन्होंने बताया कि आशा कार्यकर्ता संभावित टीबी मरीजों की जानकारी दर्ज करेंगी और इसकी सूचना सीएचओ को देंगी। मरीजों को दवा उपलब्ध कराएंगी। वह बैंक खाते का विवरण दर्ज कराएंगी, जिससे इलाज के दौरान टीबी रोगियों को सही पोषण के लिए हर माह निक्षय पोषण योजना के तहत 500 रुपये मिल सकें।

डॉ मिथलेश ने बताया कि अब तक टीबी का उपचार ले रहे मरीजों के लिए एक ट्रीटमेंट सपोर्टर नियुक्त किया जाता था, जो कि आशा कार्यकर्ता होती थी। लेकिन अब मरीज का ध्यान रखने के लिए उसी के परिवार से अथवा उसके किसी नजदीकी व्यक्ति को केयर गिवर का दायित्व सौंपा जायेगा। यह पहल टीबी के शुरूआती लक्षणों की पहचान करके उन्हें रोकने और बीमारी के दौरान समय पर रेफरल द्वारा रोगी और उनके परिवार के सदस्यों की समुचित देखभाल और सहायता सुनिश्चित करेगी। इससे उपचार, उचित पोषण और उपचार के मानकों का पालन करने में मदद मिलेगी और टीबी से ग्रसित व्यक्तियों के समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होगा।

संक्षिप्त खबरें

राघवेन्द्र का असिस्टेंट कमांडेंट पद पर हुआ चयन लोगों में खुशी का माहौल

प्रखर जखनिया गाजीपुर। क्षेत्र के ग्राम पड़री जखनियां के कैलाश नाथ पांडेय के पौत्र राघवेंद्र पांडेय का यूपीएससी में चयन के उपरांत असिस्टेंट कमांडेंट पद पर नियुक्ति होने पर गांव में खुशी का माहौल है। इसके पहले राघवेंद्र जी गृह मंत्रालय में आई बी पोस्ट पर कार्यरत रहे। इनके पिता देवेंद्र कुमार पांडेय सहायक विकास अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। माता शशि कला पांडेय प्रधानाध्यापिका के पद पर सैदपुर में कार्यरत हैं। इनके बड़े भाई अंजनी कुमार पांडेय की पुलिस उपाध्यक्ष गोरखपुर में तैनाती है। इन्होंने प्रारंभिक शिक्षा शहीद इंटर कॉलेज किया गया था। उनके चयन की सूचना गांव में आते ही लोगों खुशी का माहौल बन गया।

फोन पर पत्रकार को धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने घर से उठाया

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां। सहजनवां थाना क्षेत्र के घघसरा चौकी अंतर्गत ग्रामसभा नेवास के रहने वाले व हिंदी दैनिक समाचार-पत्र के पत्रकार शैलेश त्रिपाठी को बीते शुक्रवार को रात्रि के समय एक युवक द्वारा फोन पर मारने-पीटने की धमकी दी गई थी। घटना के बाद पत्रकार शैलेश त्रिपाठी के द्वारा अज्ञात मोबाइल नंबर के आधार पर मारने-पीटने व धमकी देने के मामले में तहरीर सहजनवां थाने में दी गई थी। इसके बाद हैरत में आई पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मोबाइल नंबर के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। जांच के बाद पुलिस को पता चला की फोन करने वाला युवक दुवेश दुबे पुत्र भागीरथी दुबे निवासी ग्राम तिलोरा का रहने वाला है। जिसे रविवार को दिन में लगभग 11बजे घघसरा पुलिस युवक को चौकी ले आई जहां पूछताछ में युवक ने नशे की हालत में किसी के बहकावे में आकर पत्रकार को फोन पर धमकी देने का गुनाह कुबूल किया। जिसके बाद पुलिस द्वारा युवक को समझा बुझाकर घर भेज दिया गया।

तेरही का भोज खाने गए युवक की विद्युत स्पशार्घात से मौत, परिजनों ने दी तहरीर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगसर क्षेत्र के नगसर नेवाजू गांव में डा0 हरिश्चंद्र राय के यहां शनिवार की रात में श्राद्ध के निमंत्रण में गए बहादुरपुर गांव निवासी पन्नीलाल राजभर उम्र 30वर्ष का बिजली करेंट लगने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों के अनुसार पन्नीलाल राजभर निमन्त्रण पर भोज खाने आया था और विद्युत पोल से सटकर खड़ा था कि अचानक उसे कैसे करेंट लग गया कोई जान नही पाया। उसे झटका से गिरते देख वँहा मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में उसे निजी वाहन से तुरंत जिला अस्पताल गाजीपुर ले गए जंहा देर रात डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया ।जानकारी होते ही नगसर थाने को सूचना दिया गया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक के गांव में कोहराम मच गया उसके परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरीक्षक नगसर राजेश मिश्रा ने बताया कि जानकारी होते ही पुलिस तुरन्त उचित कार्यवाही में जुट गई मृतक के चाचा के तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मांझा पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायालय

प्रखर पूर्वांचल गाजीपुर। थाना रामपुर- मांझा के द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम धारा 419/ 420/ 467/120बी भा0द 0वि0 दिनांक 08,10 ,2023 को थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार के कुशल नेतृत्व में चौकी प्रभारी संजय कुमार सरूर थाना रामपुर- मांझा मय हमराह के द्वारा अभियुक्तगण 1-राजेंद्र कुशवाहा पुत्र स्व 0- सुमेर कुशवाहा ग्राम अफजलपुर थाना- जंगीपुर गाजीपुर हालपता ग्राम- सौनौली थाना नंदगंज गाजीपुर 2- मैनेजर उर्फ समीम खां पुत्र स्व0 शमशेर खां ग्राम- सोनौली गाजीपुर 3- अच्छेलाल पुत्र देवलाल ग्राम सौनौली थाना नंदगंज गाजीपुर 2- गिरफ्तार किया गया अभीयुक्तगण को अग्रेतर कार्यवाही हेतु न्यायालय भेजा गया।

गहमर स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव के लिए धरना जारी लोगों ने मुंडन कराकर रेलवे का किया श्राद्ध

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैनिक बाहुल्य गांव गहमर में कोरोना काल के पहले रुकने वाली ट्रेनों के पुनः ठहराव के लिए भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति एवं रेल ठहराव समिति ने गहमर स्टेशन पर चल रहे धरना शनिवार को नया मोड़ ले लिया। पूर्व सैनिकों ने शहीद स्मारक से लेकर गहमर रेलवे स्टेशन तक कैंडल मार्च निकाल कर रेलवे के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि तीन दिनों के अंदर गहमर स्टेशन पर ट्रेनों के पुनः ठहराव की शुरूआत नहीं हुई तो हम सभी आमरण अनशन पर बैठते हुए रेल का चक्का जाम कर देंगे। बताते चलें 9 दिन पूर्व से चल रहे धरने में पूर्व सैनिकों एवं रेल ठहराव समिति के सदस्यों ने रेलवे के खिलाफ मुंडन कराकर विरोध जताया। मुंडन कराने वालों में सुधीर सिंह, भरत सिंह, भुटी, उमेश सिंह इत्यादि शामिल रहे मुंडन संस्कार के बाद रेल महकमें का श्राद्ध कर भोजन कराया गया। इस

मौके पर गाजीपुर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने गहमर रेलवे स्टेशन पर चल रहे धरने को सिविल बार एसोसिएशन द्वारा समर्थन देने का घोषणा किया। कहा कि इस धरने को तब तक चलाया जाएगा जब तक की रेल अधिकारी पूर्व सैनिकों की मांग मान नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि गहमर के लोग कोई ऐसी मांग नहीं कर रहे है जिसे पूरा करना असंभव हो। जो ट्रेन पूर्व में रुकती थी उन्हें ट्रेनों को दोबारा रूकने के लिए यह आंदोलन चलाया जा रहा है। बताते चलें की गहमर में ठहरने वाली चार ट्रेन हावड़ा अमृतसर बनारस एक्सप्रेस, सियालदह वाराणसी अपर इंडिया एक्सप्रेस, दिल्ली हावड़ा जनता एक्सप्रेस एवं सियालदह दिल्ली लाल किला एक्सप्रेस को घाटे का सौदा बता कर रेलवे पहले से ही पूरी तरह बंद कर चुका है ऐसे में बची केवल 8 जोड़ी ट्रेनों में भी तीन का ठहराव खत्म कर देना न्याय संगत नहीं है। इस दौरान कांग्रेस के वाल्मीकि सिंह, विमलेश सिंह, पूर्व प्रधान मुरली कुशवाहा, नरेश सिंह, चंदन सिंह, मुन्ना अंसारी, ओमप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

इस्त्राइल में 17 नेपाली बंधक बनाए गए, हमास के रॉकेट हमलों में सात घायल

काठमांडू (आईएएनएस)। इस्त्राइल में नेपाली राजदूत ने शनिवार को मीडिया को बताया कि इस्त्राइल में एक कृषि फर्म में काम करने वाले कम से कम 7 नेपाली छात्र हमास के रॉकेट हमलों में घायल हो गए हैं, जबकि अन्य 17 लोगों को बंदी बना लिया गया है। छात्रों को 'सीखो और कमाओ कार्यक्रम' के तहत दक्षिणी इस्त्राइल के अलुमिम किबुत्ज में एक कृषि फार्म में तैनात किया गया था।

इस्त्राइल में नेपाल की राजदूत कांता रिजाल ने कहा कि 17 छात्रों वाली इमारत को उग्रवादियों ने घेर लिया है, जिनका फिलहाल इस इलाके पर कब्जा है। घायल सातों छात्र भी उग्रवादी गुटों की कैद में हैं। हमने इस्त्राइली विदेश मंत्रालय और बचाव दल को नेपालियों की स्थिति की जानकारी दे दी है। हमने छात्रों से सतर्क रहने को कहा है और दूतावास लगातार उनके संपर्क में है। राजदूत कांता रिजाल ने यह भी कहा, उन्हें बचाना मुश्किल है क्योंकि विद्रोहियों ने उस इलाके पर कब्जा कर लिया है जहां वे हैं। वे 17 लोग कृषि फार्म के आवास के अंदर हैं। नेपाली राजदूत ने कांतिपुर को बताया, हथियारबंद लोगों के एक समूह ने उस घर को घेर लिया है जहां वे रह रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

उत्तरी अमेरिका के ह्यूस्टन में पहला गांधी संग्रहालय खुला

ह्यूस्टन । उत्तरी अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में महात्मा गांधी के जीवन और विरासत को समर्पित पहला गांधी संग्रहालय खुला। 'इटरनल गांधी म्यूजियम' अमेरिका में एकमात्र गांधी संग्रहालय है, जो अहिंसा के जरिये संघर्ष समाधान की राष्ट्रपिता की चिरस्थायी विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह समर्पित है। संग्रहालय ने आधिकारिक तौर पर 15 अगस्त को जनता के लिए अपने दरवाजे खोले थे, लेकिन भव्य समारोह दो अक्टूबर को गांधी की 154वीं जयंती पर आयोजित किया गया।

पुलिस को मिली मोनू मानेसर की चार दिन की हिरासत

गुरुग्राम। अदालत ने जुनैद-नासिर हत्याकांड के आरोपी गोरक्षक और बजरंग दल कार्यकर्ता मोनू मानेसर की चार दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को मंजूर कर ली। गुरुग्राम पुलिस ने सात दिन की हिरासत मांगी, लेकिन अदालत ने चार दिन की हिरासत प्रदान की। मानेसर के वकील कुलभूषण भारद्वाज ने कहा, पुलिस ने मोनू मानेसर की सात दिन की हिरासत मांगते हुए कहा कि महाराष्ट्र से उसके साथी के पास से अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद किया जाएगा।

वाशिंगटन ने किया दो रूसी राजनयिकों को निष्कासित

वाशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने पिछले महीने मॉस्को से दो अमेरिकी राजनयिकों के निष्कासन के जवाब में शुक्रवार को वाशिंगटन से दो रूसी राजनयिकों को निष्कासित करने का आदेश दिया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उसने रूस द्वारा अमेरिका के दो राजनयिकों को उस रूसी नागरिक के साथ संपर्क के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित करने के जवाब में यह कदम उठाया है, जो रूस के सुदूर-पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक में बंद हो चुके अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के लिए काम करता था और जिसे इस साल गिरफ्तार कर लिया गया था।

अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता के दो भूकंप, 320 की मौत

इस्लामाबाद (एपी)। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में 6.3 तीव्रता के दो भूकंप में कम से कम 320 लोग मारे गए और लगभग 40 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल्ला जान ने बताया कि हेरात में जेंदा जान जिले के चार गांवों को भूकंप और झटकों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गये हैं। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि 6.3 तीव्रता के झटके आए। भूकंप का केंद्र हेरात शहर से 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। बाद में भी 5.5 तीव्रता का झटका आया। सर्वेक्षण की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया एक नक्शा इस क्षेत्र में सात भूकंपों का संकेत देता है। हेरात शहर के निवासी अब्दुल समदी ने कहा, 'लोग अपने घरों से बाहर निकल गए

■ हेरात शहर से 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था भूकंप का केंद्र

हैं। घर, कार्यालय और दुकानें सभी खाली हैं। आगे और झटके आने की आशंका है।' समदी ने कहा, 'मैं और मेरा परिवार अपने घर के अंदर थे। मुझे भूकंप महसूस हुआ।' समदी ने कहा कि उनका परिवार शोर मचाने लगा और बाहर निकल गया और वापस अंदर जाने से डर रहा है।

टेलीफोन लाइन ठप हो जाने के कारण प्रभावित क्षेत्रों से सटीक विवरण प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हेरात शहर में सैकड़ों लोग अपने घरों और कार्यालयों के बाहर सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। हेरात प्रांत की सीमा ईरान से लगती है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, भूकंप आसपास के फराह और बदगीस प्रांतों में भी महसूस किया गया। तालिबान द्वारा नियुक्त आर्थिक मामलों के उप प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर ने हेरात और बदगीस में भूकंप में मारे गए लोगों और घायलों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

जून 2022 में, पूर्वी अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंप आया, जिसमें कई मकान जमींदोज हो गए। यह भूकंप अफगानिस्तान में दो दशकों में सबसे भीषण था, जिसमें कम से कम 1,000 लोग मारे गए और लगभग 1,500 लोग घायल हो गए।

एशियाड में भारत 100 के पार कहा ही नहीं, करके दिखाया : अनुराग

नई दिल्ली । आजादी के बाद भारत ने पहली बार एशियाई खेलों में सौ मेडल जीतने का आंकड़ा पार किया है। इस उपलब्धि पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने खुशी जाहिर की है। खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने जो कहा, करके दिखाया है।

ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत करने हुए कहा कि इस बार मेडल्स की बौछार हुई है और 100 का आंकड़ा पार हो गया है। हमारे इन एथलीट्स ने वर्तमान और भविष्य के खिलाड़ियों के लिए एक नई प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता, उनके द्वारा प्रदान की गई सुविधाएं और हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत एवं दृढ़ संकल्प से भारत ने 100 पदक का आंकड़ा पार किया। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स के 72 साल के इतिहास में इस बार हमारे एथलीट्स ने कई विश्व रिकॉर्ड तोड़े और कई एशियन रिकॉर्डस भी बनाए है। एथलेटिक्स में 29 मेडल, शूटिंग में 22 मेडल, आर्चरी में 9 मेडल्स आए है।

ट्रूडो का बिना ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण : USISPF

वाशिंगटन (भाषा)। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी का कहना है कि यह 'दुर्भाग्यपूर्ण' है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले महीने संसद में बिना ठोस सबूत के भारत के खिलाफ आरोप लगाए। खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद पिछले महीने भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने कनाडा के आरोपों को निराधार करार देकर खारिज किया है।

अघी ने साथ एक साक्षात्कार में शुक्रवार को कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक महत्वपूर्ण मुद्दे को बिना किसी ठोस सबूत के संसद में उठाया गया और इससे दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए।' उन्होंने कहा, 'भारत और कनाडा के बीच संबंध काफी पुराने हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत बड़ा है। 2,30,000 से अधिक भारतीय छात्र वहां (कनाडा) पढ़ते हैं। कनाडा ने भारत में लगभग 55 अरब डॉलर का निवेश किया है। ऐसे में, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश के प्रधानमंत्री संसद में कहते हैं कि 'विश्वसनीय आरोप' हैं और यह साबित करने के लिए सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं कि ये आरोप विश्वसनीय हैं।'

यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष अघी ने कहा, 'मुझे लगता है कि परिपक्वता से स्थिति को संभालना होगा, क्योंकि इसका प्रभाव पड़ता है। कनाडा भारत पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका का सहारा लेना चाहता है।' एक सवाल के जवाब में अघी ने कहा कि कनाडा और भारत के बीच राजनयिक विवाद का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे। उन्होंने कहा, 'अमेरिका-भारत संबंध भूराजनीतिक हैं। ये आर्थिक मुद्दों और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों से जुड़े हैं। हां, इसका (भारत-कनाडा विवाद) प्रभाव पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे।'

सुनक ने ट्रूडो को मिलाया फोन, भारत के साथ विवाद कम करने की जरूरत बताई

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान नई दिल्ली और ओटावा के बीच तनाव कम करने तथा कानून के शासन का सम्मान करने पर जोर दिया।

■ कानून के शासन का सम्मान करने पर दिया जोर

डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री आवास सह कार्यालय) ने एक बयान में कहा कि सुनक ने शुक्रवार शाम ट्रूडो से बात की और इस दौरान उन्हें भारत में कनाडाई राजनयिकों से संबंधित स्थिति के बारे में जानकारी दी गई और दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए। वहीं, खालिस्तान समर्थक वांछित अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट की संलिप्तता के कनाडा के आरोप के बाद सुनक ने कानून का शासन के प्रति ब्रिटेन के रुख को दोहराया। बयान में कहा गया है, 'प्रधानमंत्री ट्रूडो ने भारत में कनाडाई राजनयिकों से संबंधित स्थिति पर अद्यतन जानकारी दी।' इसमें कहा गया, ''प्रधानमंत्री (सुनक) ने ब्रिटेन के उस रुख को दोहराया कि सभी देशों को राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के सिद्धांतों सहित संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने हालात बेहतर होने की उम्मीद जताई।''

कनाडा की राजधानी ओटावा से प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस बयान को दोहराते हुए कहा कि ट्रूडो ने कनाडा और भारत के बीच मौजूदा स्थिति पर अद्यतन जानकारी प्रदान की। कनाडा सरकार के बयान में कहा गया है, ''दोनों नेताओं ने राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के सम्मान और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने विवाहिता की हत्या मामले में पति और सास की सजा रखी बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष द्वारा पहली नजर में आरोप साबित करने के बाद अभियुक्त को बताना होगा कि वारदात के समय कहां था। अगर पत्नी की हत्या के मामले में प्रथम दृष्टया यह साबित हो जाए कि आखिरी समय में पति-पत्नी साथ-साथ थे तो अपने को निर्दोष साबित करने का दायित्व पति पर निर्भर करता है। पत्नी की हत्या के मामले में पति द्वारा अपने बचाव में सबूत पेश करने में असमर्थ रहने पर सुप्रीम कोर्ट ने उसे दोषी ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों में अदालतों से संवेदनशील होने की उम्मीद की जाती है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने विवाहिता की हत्या के मुजरिम पति तथा उसकी मां की अपीलों को खारिज कर दिया। ट्रायल कोर्ट और उत्तराखंड हाई कोर्ट ने बलवीर सिंह को अपनी पत्नी सुधा की हत्या के जुर्म में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालतों से उम्मीद की जाती है कि वे प्रक्रिया संबंधी तकनीकी खामियों, लापरवाह जांच या सबूतों में महत्वहीन खामी के आधार पर अपराधियों को बचने नहीं दें क्योंकि अपराधी के दंडित नहीं होने पर पीड़ित पूरी तरह से हतोत्साहित हो जाएंगे।

न्यायमूर्ति जमशेद पारदीवाला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि अदालतों से महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में संवेदनशील होने की उम्मीद की जाती है।

■ अदालत ने कहा, आरोप साबित होते ही आरोपी को बताना होगा कि वह वारदात के समय कहां था

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दो दोषियों की अपील पर सुनाई जिन्होंने मार्च 2014 में उत्तराखंड हाई कोर्ट द्वारा दिए फैसले को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा था, जिसने 2007 में दर्ज मामले में मृतका के पति और सास को दोषी ठहराया था। पति बलवीर सिंह मृतका की सास को दोषी करार दिया गया था। सुधा की मौत दिल्ली में हुई थी लेकिन उसका पति शव को कोटद्वार के समीप अपने गांव ले गया। मृतका के परिजन के कहने पर पोस्ट-मार्टम किया गया लेकिन अदालत के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई थी। मजिस्ट्रेट के आदेश पर जून 2007 में एफआईआर दर्ज करके पुलिस ने जांच की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति का यह कहना कि वह पत्नी को दिल्ली में संजय गांधी अस्पताल ले गया था जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। कोर्ट ने इसे सफेद झूठ कहा। अदालत का कहना था कि कोई भी अस्पताल संदिग्ध मामलों में शव परिजन को नहीं सौंपता। डाक्टर पुलिस को केस सौंप देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीआरपीसी की धारा 106 का विस्तृत जिक्र किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यदि पहली नजर में पर्याप्त सबूत पेश कर देता है तो अभियुक्त को यह बताना होगा कि वारदात के समय वह कहां था। इस मामले में पत्नी अंतिम समय में अपने पति के साथ थी। ऐसे में सीआरपीसी की धारा 106 के बर्डन ऑफ प्रूफ पति की ओर मुड़ जाता है। उसे स्पष्ट करना होगा कि उसके साथ रहते हुए उसकी पत्नी की मौत कैसे हुई। इस मामले में सुधा और बलवीर का विवाह 1997 में हुआ था और दस साल बाद उसकी हत्या की गई। उनके एक संतान भी थी।

ग्लोबल फ्लैगशिप इवेन्ट 'फ़ोरम' का आयोजन कल

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेयोनीयर (नस्दक, पेयो) ने सोमवार को यहां ग्लोबल फ्लैगशिप इवेन्ट 'फ़ोरम' आयोजित करने की घोषणा की है। यह कंपनी विश्व के लघु एवं मध्यम आकार के सौदों का लेन-देन करने का कार्य करती है। भारत में पेयोनीयर फ़ोरम का यह सातवां संस्करण, देश का सबसे बड़ा ई-कॉमर्स इवेन्ट है जो शीर्ष ग्लोबल मार्केटप्लेस, लॉजिस्टिक पार्टनर्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और सर्विस-प्रोवाइडर्स को एक साथ लेकर आता है ताकि एक्सपोर्टर्स और मार्केटप्लेस सेलर्स को उनके क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड को बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

यह जानकारी भारत में पेयोनीयर के वाइस प्रेज़िडेन्ट, गौरव सिसोदिया ने दी।उन्होंने बताया कि 'उन्नत हों, विस्तार करें, और उत्कृष्ट बनें' विषय के साथ, पेयोनीयर फ़ोरम का उद्देश्य विकसित ई-कॉमर्स रु झानों में मूल्यवान इनसाइट्स प्रदान करना, उभरती वैश्विक श्रेणियों का पता लगाना, मार्केटप्लेस के कार्य-प्रदर्शन को अनुकूलित बनाना, ब्रांड निर्मित करना और लॉजिस्टिक्स को परिपूर्ण करने संबंधी कार्यनीतियों की पेशकश करना है।

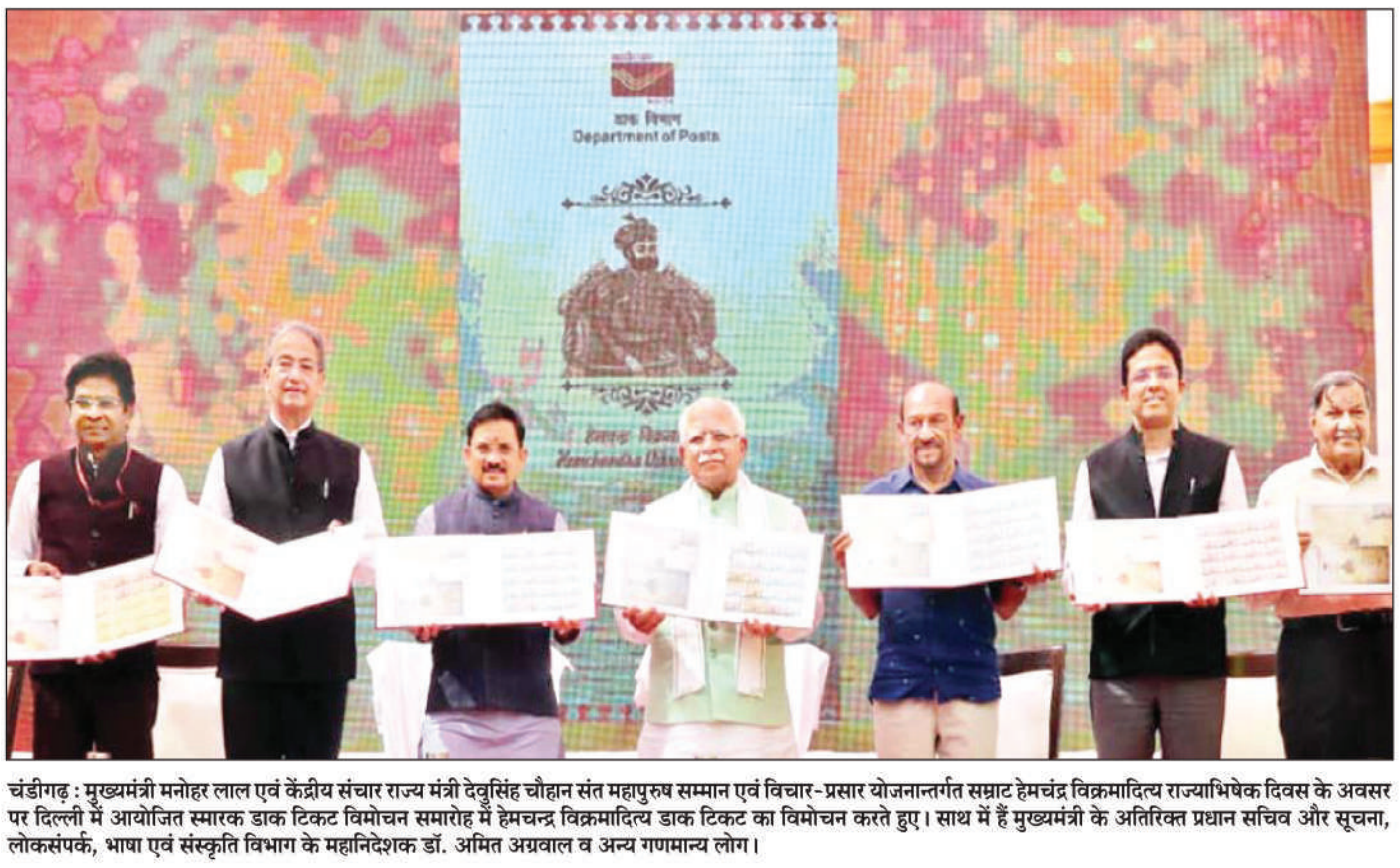

चंडीगढ़ : मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान संत महापुरुष सम्मान एवं विचार-प्रसार योजनान्तर्गत सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य राज्याभिषेक दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित स्मारक डाक टिकट विमोचन समारोह में हेमचन्द्र विक्रमादित्य डाक टिकट का विमोचन करते हुए। साथ में हैं मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना, लोकसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल व अन्य गणमान्य लोग।

नवम्बर में एपेक की बैठक से इतर चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात की संभावना : बाइडन

वाशिंगटन (एपी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि अगले माह सैन फ्रांसिस्को में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं।

बाइडन ने चीन के नेता के साथ मुलाकात के बारे में संवाददाताओं की ओर से पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। बाइडन ने कहा, 'अभी ऐसी मुलाकात का कोई कार्यक्रम तय नहीं है, लेकिन इसकी संभावना है।' बाइडन और शी ने इससे पहले पिछले वर्ष नवंबर में इंडोनेशिया के बाली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की थी।

■ कहा अभी ऐसी मुलाकात का कोई कार्यक्रम तय नहीं है, लेकिन इसकी संभावना है

व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों नेताओं के बीच शीघ्र ही कोई बैठक होगी। प्रशासन के अधिकारी चीनी पक्ष को बैठक के लिए राजी करने की दिशा में काम कर रहे हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कई मुद्दों को लेकर संबंधों में तनाव है।

बाइडन प्रशासन ने इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका में घुसे चीन के एक जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था। चीन सरकार ने वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो के ईमेल हैक किए थे। अमेरिकी सरकार ने चीन को उन्नत कंप्यूटर चिप के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। यूक्रेन में रूस के युद्ध और ताइवान जलडमरूमध्य में चीन की बढ़ती आक्रामकता ने भी दोनों देशों के बीच मतभेद बढ़ाए हैं। मतभेदों के बावजूद हाल में दोनों तरफ से संबंधों को सुधारने के प्रयास तेज किए गए हैं।

वाशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने सैन फ्रांसिस्को में बाइडन और शी के बीच बैठक की संभावनाओं के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने एक बयान में कहा कि दोनों देश 'द्विपक्षीय बातचीत को लेकर संपर्क में हैं।' पेंग्यू ने कहा, 'चीन और अमेरिका को एक ही दिशा में काम करने, बाधाओं को दूर करने तथा ठोस कदम उठाकर मतभेदों को दूर करने की जरूरत है। दोनों को आपस में बातचीत करने और सहयोग बढ़ाने के उपाय तलाशने की भी आवश्यकता है।'

... ताकि संपत्ति के स्वामित्व पर ना उठें सवाल

अगर आप कोई संपत्ति खरीदने जा रहे हैं तो उसके बारे में खासी पड़ताल करनी जरूरी होती है। कई बार तो ऐसा होता है कि जिस व्यक्ति से संपत्ति खरीदी जाती है वह मानसिक रूप से बीमार होता है। ऐसे में संपत्ति खरीदने वाला व्यक्ति बड़ी मुश्किल में पड़ सकता है। इसलिए संपत्ति खरीदने से पहले उसकी उचित पड़ताल जरूरी है

प्रदीप मिश्रा
एक्सपर्ट रियल एस्टेट

अक्सर ऐसा होता है कि आप कोई संपत्ति खरीद लेते हैं लेकिन उसे खरीदने के बाद उस पर कुछ दूसरे लोग भी दावा करने लगते हैं कि जिससे आपने वह संपत्ति खरीदी है वह उसका वास्तविक या फिर इकलौता स्वामी नहीं हैं, उसके स्वामित्व में कुछ भागीदार और भी हैं। यह स्थिति उन संपत्तियों की खरीद में होती है जिन्हें री-सेल पर खरीदा जाता है। साथ ही संपत्तियों के बाजार में पूर्व में एक या फिर उससे अधिक बार उनका सौदा हो चुका होता है। ऐसी संपत्ति आवासीय या कृषि या फिर व्यावसायिक किसी भी तरह के इस्तेमाल की हो सकती है। तो फिर सवाल यह है कि री-सेल पर कोई संपत्ति किस चीजों की परख के साथ खरीदी जाए जिससे कि उसके स्वामित्व यानी मालिकाना हक को लेकर विवाद की स्थिति न बने, आइए जानते हैं।

विक्रेता से मांगे वास्तविक कागज

अपने लेखों के जरिए मैं अक्सर यह बात कहता हूं कि किसी संपत्ति का वास्तविक स्वामी कौन है उसकी जानकारी सिर्फ उसके कागजात से मिलती है। इसलिए री-सेल पर कोई संपत्ति खरीदते हुए आप उसके मालिक से वास्तविक कागजों की मांग करें। हालांकि संपत्ति का कोई भी स्वामी, संपत्ति की बिक्री से पहले आपको ओरिजनल कागज नहीं सौंपेगा लेकिन अपनी तसल्ली के लिए आप उन्हें दिखाने के लिए कह सकते हैं साथ ही एक बार बयाना या टोकन मनी देने के बाद उससे उन कागजात की फोटो प्रति देने के लिए कह सकते है जिससे उन कागजों की वास्तविकता का पता लगवाया जा सके। इन कागजात में सेल डीड, सेल की चेन अर्थात उस संपत्ति को पूर्व में कितनी बार बेचा गया और किसने खरीदा, टाइटल, लैंड यूज, पूर्व में की गई पेमेंट की मूल रसीदें, कब्जा यानी पजेशन सर्टिफिकेट वगैरह मुख्य है जिनकी बारीकी से जांच करवाई जानी चाहिए। कागजात की परख के लिए आप किसी वकील या फिर इस क्षेत्र से जुड़े किसी अन्य प्रोफेशनल की मदद ले सकते हैं।

टाइटल की जांच करें

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में टाइटल का अर्थ उसके स्वामी यानी मालिक से होता है साथ ही उस संपत्ति को बेचने का अधिकार भी उसे मिलता है। यहां यह देखने वाली बात है कि संपत्ति का मालिक जिस टाइटल पर अपना दावा कर रहा है या जिस संपत्ति पर अपना स्वामित्व बता रहा है उसे उस संपत्ति का स्वामित्व किस तरह मिला है। क्या उस व्यक्ति ने वह संपत्ति अपने खुद के पैसों से खरीदी है? क्या वह उस संपत्ति का सह-स्वामित्व रखता है या फिर उसे वह संपत्ति अपने पूर्वजों के जरिए वसीयत, उपहार स्वरूप या फिर देश के अन्य प्रावधानों के जरिए प्राप्त हुई है। एक बार संपत्ति का टाइटल स्पष्ट हो जाने के बाद आप उस संपत्ति में निवेश के लिए कदम बढ़ा सकते है लेकिन स्वामित्व को लेकर तनिक भी शंका होने पर उसमें निवेश के प्रति बढ़ाए कदमों को वापिस लेना ही बेहतर विकल्प रहेगा। जहां तक टाइटल की परख करवाने का सवाल है तो इसकी जांच के लिए आप जिस क्षेत्र में संपत्ति हो वहां के सब रजिस्ट्रार कार्यालय से संबंधित जानकारी हासिल कर सकते हैं।

पजेशन सर्टिफिकेट और वेरीफिकेशन

संपत्ति की खरीद के लिए अंतिम रकम देने से पहले यह भी सुनिश्चित कर लें कि उस संपत्ति पर उसी व्यक्ति का पजेशन यानी कब्जा है जिससे आप उसे खरीद रहे है। यदि उस संपत्ति में कोई किराएदार रह रहा हो तो अपने नाम पर रजिस्ट्री करवाने से पहले ही आप विक्रेता से संपत्ति खाली कराने को कहें। इसके बाद सुनिश्चित भी कर लें कि संपत्ति खाली हो चुकी है और विक्रेता के कब्जे में संपत्ति आ चुकी है। जैसे ही रजिस्ट्री हो जाय संपत्ति को आप अपने कब्जे में ले लें और अपना ताला भी उस पर लगा दें।

विक्रेता की जांच भी जरूरी

संपत्ति के टाइटल की जानकारी पुष्ट करने के बाद आप विक्रेता के बारे में भी जानकारी जुटाना न भूलें। आप उससे सीधे पूछ सकते है कि कहीं उस संपत्ति में किसी तरह का सह-स्वामित्व तो नहीं है। इसका मतलब यह है कि क्या वह व्यक्ति अकेले ही उस संपत्ति को बेचने का अधिकार रखता है या फिर उसकी बिक्री में किसी अन्य व्यक्ति की सहमति की जरूरत होने की गुंजाइश है। मसलन यदि कोई संपत्ति सह या फिर संयुक्त स्वामित्व वाली हो या किसी ट्रस्ट अथवा पार्टनरशिप फर्म के नाम पर उसका स्वामित्व हो तो उस स्थिति में आपको ट्रस्ट या फर्म के सभी सदस्यों की सहमति की आवश्यकता होगी। भले ही संपत्ति के सौदे की शुरुआत एक व्यक्ति से की जा सकती है। इसके साथ ही यह भी जरूर जान लें कि किसी मानसिक तौर पर बीमार व्यक्ति से खरीदी गई संपत्ति भी आपको झंझटों में फंसा सकती है इसलिए पहले ही यह जानकारी भी प्राप्त कर लें? कि संपत्ति का विक्रेता मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ है।

उपयोग और निर्माण

संपत्ति के स्वामी और स्वामित्व का निर्धारण हो जाने के बाद आप यह देखें कि आप उस संपत्ति पर किस तरह का निर्माण करवा सकते है और आप उसका कैसा इस्तेमाल कर सकते है? संभव है कि आपका मन कोई ऐसी संपत्ति लेने का हो जिसके भूतल पर आप दुकान बनवा लें और ऊपर के तलों पर मकान बनवाकर किराया लेना चाहते हों। इसी तरह आप कोई कृषि भूमि लेने पर विचार कर रहे हों जिसे आप फार्म हाउस के रूप में विकसित करवाना चाहते हों। कई बार ऐसा होता है कि अपने व्यक्तिगत विचारों के मद्देनजर जमीन या संपत्ति तो ले ली जाती है लेकिन जब उसके इस्तेमाल की बारी आती है तो हमें मनमाफिक नतीजे नहीं मिल पाते। ऐसा इसलिए होता है कि उस क्षेत्र विशेष की लोकल एजेंसियां उस चीज की अनुमति नहीं देती। इसलिए संपत्ति पसंद करने के बाद आपको लोकल एजेंसियों या जोनल प्लानिंग कार्यालयों से यह पता करवा लेना चाहिए कि जो जमीन व संपत्ति आप ले रहे है उसके कैसे इस्तेमाल की इजाजत है। कई मौकों पर टाउन प्लानिंग अथॉरिटी भूमि उपयोग में बदलाव की अनुमति दे देती है जबकि कई बार ऐसा नहीं हो पाता। इसी तरह उस क्षेत्र के निगम कार्यालय से आप यह पता लगा सकते है कि क्या आप अपनी संपत्ति का मिक्स यूज यानी कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल दोनों रूपों में कर सकते है या नही।

दे सकते हैं विज्ञापन

इसके साथ ही एक और बात यह कि आप चाहें तो कोई संपत्ति खरीदने से पहले राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर के दो-दो दैनिक समाचार पत्रों में यह विज्ञापन भी प्रकाशित करवा सकते है कि आप वह संपत्ति खरीदने जा रहे है और यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो या उसे लेकर उसका कोई दावा करना हो तो वह आपसे संपर्क कर सकता है। ऐसा करने से भविष्य में आपका कानूनी पक्ष मजबूत रहेगा। निश्चय ही इन बातों को ध्यान में रखते हुए अगर आप री-सेल कोई संपत्ति खरीदते है तो निश्चय ही आपको एक साफ-सुथरी संपत्ति मिल सकेगी और आप किसी तरह की कानूनी पेचीदगियों से भी खुद को दूर रखने में सफल हो सकेंगें।

सेल डीड और चेन

हर तरफ से निश्चिंत हो जाने के बाद सेल डीड की बारी आती है यह वह दस्तावेज होता है जो यह बताता है कि विक्रेता के जरिए किन शर्तों और किस दाम पर क्रेता उस संपत्ति को खरीदेगा। इस दस्तावेज में संपत्ति के आकार और उपयोग जैसी चीजों का जिक्र भी किया जाता है। सेल डीड बनवाते समय यह ध्यान रखें कि यह दस्तावेज एक पक्षीय न हो साथ ही उसमें यह लिखवाना न भूलें कि संपत्ति खरीद लेने के बाद भी यदि संपत्ति खरीदे जाने के पहले किसी तरह का कोई बकाया उस संपत्ति को लेकर होगा तो वह रकम विक्रेता द्वारा ही देय होगी। कई बार बिजली, पानी, टेलीफोन या गैस के बिल पैंडिंग रह जाते है या फिर हो सकता है कि विक्रेता द्वारा संपत्ति कर की पूरी अदायगी न की गई हो। ऐसे में इन चीजों की परख भी जरूरी है। इसी तरह पूर्व में वह संपत्ति कितनी बार बिकी है और उसका स्वामित्व किन लोगों के पास कितने समय तक के लिए रहा है संपत्ति के क्रय-विक्रय के पूर्व के कागजात से उसकी जानकारी मिल जाएगी। बेहतर यही होगा कि कब और कितने समय के लिए वह संपत्ति किसके पास रही उसकी चेन आप जरूर मिला लें।

आसानी से नहीं छिपाए जा सकते फर्जी क्लेम

फर्जी बीमा दावों को आसानी से नहीं छिपाया जा सकता है। कई बार देखा जाता है कि बीमाधारक धोखाधड़ी करके फर्जी क्लेम लेने की कोशिश करता है लेकिन बीमा कंपनी द्वारा बरती जा रही सख्ती से फर्जी क्लेम को छिपाया नहीं जा सकता। और ऐसे मामले एक न एक दिन पकड़ में आ ही जाते हैं

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

चाहे आग लगने से होने वाले नुकसान की भरपाई बीमा कम्पनी से करानी हो, मोटरसाइकिल को पहुंचे नुकसान से जुड़ा का क्लेम हो, जीवन बीमा में बीमाधारक के देहावसान पर दावे का निस्तारण करना हो, हास्पिटल में इलाज के दावे को निपटाना हो या इसी तरह की कोई और परिस्थिति, बीमा कम्पनी को ग्राहकों के हित में नियमों की बारीकियों को समझकर जल्द से जल्द दावा निस्तारित करके भुगतान करना चाहिए और यदि दावा भुगतान के लायक एकदम ही नहीं है तो उसे उचित कारण बताते हुए विनम्रतापूर्वक समझाते हुए वापस करना चाहिए। किन्तु कई बार फर्जी दावों के सामने आने पर हर दावे की गहन जांच जरूरी हो जाती है जिससे दावों के निस्तारण में अकारण विलंब होता है।

बेहद आसान होता दावा निस्तारण

सभी प्रकार के बीमा दावों का निस्तारण लाजिमी है। दावा निस्तारण प्रक्रिया एकदम सरल भी है, लेकिन फर्जी दावे ही भुगतान में देरी का सबब बनते हैं। बीमा भुगतान का दावा प्रस्तुत करने वाले कई लोग फर्जी प्रपत्र का प्रयोग करते हैं। अगर इनकी गहनता से जांच ना की जाए तो कंपनियों को इसका खासा नुकसान उठाना पड़ता है। दूसरा पक्ष यह भी है की दावा निरस्त किए जाने के बाद यदि दावेदार कंज्यूमर कोर्ट, मोटर दुर्घटना बीमा अधिकरण, बीमा लोकपाल आदि में आवेदन करते हैं तो बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि तारीख पर नही आते है, इससे उक्त वाद बहस में चलता रहता है। उसका समय पर निस्तारण हो हीं नहीं पाता है। जबकि बीमा कंपनी कभी नहीं चाहती है कि उसका कोई भी क्लेम विलंबित हो या उसका भुगतान ना किया जाए।

कैसे होते हैं फर्जी क्लेम

जीवन बीमा के क्षेत्र में दावा निस्तारण के दौरान अनेकों ऐसी घटनाएं भी प्रकाश में आती है की दावा राशि का भुगतान पाने के लिए बीमाधारक की हत्या कर दी जाती है। इसके अतिरिक्त व्यवसाय विकास के दबाव में, लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए दिसम्बर से मार्च जैसे महीनों में कई ऐसे बड़े बीमा कवर के ऊंचे प्रीमियम वाले बीमा निर्गत हो जाते है या फिर बीमाकर्मी के मिली भगत से कोई न कोई जुगत लगाकर बीमा चालू करा लिए जाते हैं जिनमें जमीनी स्तर पर होने वाली जांच सिर्फ दिखावे के लिए ही की जाती है।

एजेंट के भरोसे पर अफसर करते हैं दस्तखत

कई बार बीमा बेचे जाते समय बिना जरूरी जानकारी लिए प्राइमरी अंडरराइटिंग की प्रक्रिया में सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। एजेंट के लिखे पर उनके अधिकारी, फिर प्रबंधक सभी अनुमोदन करते हुए बीमा पास करा देते हैं। यहां पर दो बातें हो सकती हैं। पहली यह कि अधिकारी अपने एजेंट पर भरोसा करते हुए बीमा पालिसी को बिक्री हेतु जारी कर देता है जबकि दूसरा पहलू यह है कि एजेंट और अधिकारी दुर्भावनापूर्ण तरीके से अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए मिलकर पालिसी को बिक्री के लिए जारी कर देते हैं। बाद जब इस पालिसी के लिए दावा प्रस्तुत किया जाता है तब पता चलता है कि पालिसी को किस तरह धोखाधड़ी करके बेचा गया था।

कैसे होते हैं फर्जी दावे

हाल ही में एक जनरल इंश्योरेंस कम्पनी को दुर्घटना बीमा सम्बंधित दावा प्रपत्र भेजा गया था। जिसमें कहा गया कि मोटरसाइकिल से सड़क पार करते समय विपरीत दिशा से लापरवाही और तेजी से आ रहे अमुक नंबर के एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे की दावाकर्ता को गंभीर चोटें आईं और वाहन को भी गंभीर नुकसान हुआ। जांचोपरांत पता चला कि दिए गए नंबर का पंजीकरण किसी स्कूटर का है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी वर्णित किया जाना जरूरी प्रतीत होता है कि अनेकों दावे ऐसे होते हैं जिनमें नुकसान को अत्यधिक बढ़ा चढ़ा कर दिखाया जाता है। इसके अलावा नकली दुर्घटना की कल्पना करके दावा लेने का प्रयास, जो चीज क्रय किए गए बीमा की परिधि में भी नही है, उसका दावा किया जाना भी फर्जी बीमा दावों की श्रेणी में ही रखे गए हैं। कई बार लोग अपनी कार की चोरी की झूठी रिपोर्ट करके उसके बीमाराशि का दावा करते हैं लेकिन जांच में पता चलता है कि दावा फर्जी है।

हेल्थ इंश्योरेंस में भी फर्जी क्लेम

स्वास्थ्य बीमा में भी नामी गिरामी अस्पतालों द्वारा बीमाधारक के इलाज के बाद बिल में ऐसी चीजें जोड़ दी जाती हैं जिनका इलाज से दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। इस कारण बीमा कम्पनी अपने नेटवर्क की सूची से उक्त अस्पताल का नाम भी हटा देती है, दावेदार का क्लेम या तो निरस्त हो जाता है या फिर आंशिक तौर पर भुगतान हो पाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि बीमा प्रस्तावक धूम्रपान करते हैं, लेकिन इसका वर्णन प्रस्ताव पत्र में नहीं करते, अस्पताल द्वारा भी इलाज के बाद इसका जिक्र क्लेम में नहीं किया जाता जिससे फर्जी क्लेम को बढ़ावा मिलता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि प्रस्तावक बीमा क्रय करते समय रहता तो किसी बड़े शहर में है, लेकिन आवेदन पत्र के साथ बीमा कम्पनी द्वारा मांगी गई पैथोलॉजिकल रिपोर्ट किसी छोटे शहर से बनवाकर उपलब्ध करा देता है क्योंकि वह वहां के पैथोलॉजिकल लैब से अपने मनमाफिक रिपोर्ट बनवाने की क्षमता रखता है। किन्तु दावा के समय जमा किए गए उक्त रिपोर्ट में और वर्तमान में इलाज के समय अस्पताल द्वारा ली गई रिपोर्ट में बहुत हीं अधिक अंतर होने से विस्तृत जांच की जरूरत पड़ती है तो पता चलता है की दावा फर्जी है।

कितनी फायदेमंद है बैंकों की लॉकर सुविधा

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

हाल ही में यूपी के मुरादाबाद जिले में एक राष्ट्रीयकृत बैंक के लॉकर में रखे 18 लाख रुपए दीमक द्वारा खा जाने का मामला सामने आया है। यह रुपए एक महिला ने अपने बैंक लॉकर में रखे थे। इस बाबत बैंक प्रबंधन का कहना है कि बैंक के लॉकर में रुपए रखे ही नहीं जा सकते। जबकि महिला का कहना है कि उसे इस बाबत जानकारी ही नहीं थी कि बैंक लॉकर में कैश रखना मना है। इसे लेकर बैंक प्रबंधन ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं जबकि महिला का कहना है कि उसे इसका मुआवजा दिया जाए। इसी तरह का एक मामला अंबाला में सामने आया जहां चोरों ने एक बैंक के 32 लॉकरों को अपना निशाना बनाया और लॉकर में रखा सारा सामान ले गए। इस तरह की घटनाएं काफी आम हो चुकी हैं जब बैंक लॉकर में रखे ग्राहक के सामान को नुकसान पहुंचता है और बैंक ग्राहकों को हर्जाना देने में आनाकानी करते हैं। आइए देखते हैं कि बैंक लॉकर से जुड़े नियम क्या हैं और इन नियमों के तहत ग्राहकों व बैंकों के क्या अधिकार हैं।

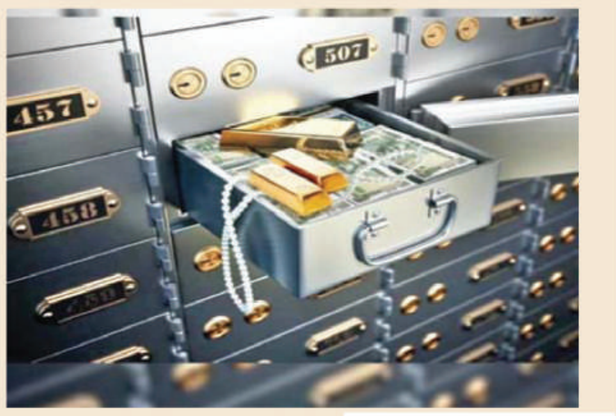

बैंक लॉकर में रखा सामान अगर किसी कारणवश गुम हो जाता है या खराब हो जाता है तो बैंकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने ग्राहक को इसका मुआवजा दे। लेकिन मुआवजे की रकम इतनी कम है कि लॉकर में सामान रखना फायदे का सौदा कतई नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि बैंक लॉकर में रखे वैध सामान चोरी होने या खराब होने के एवज में सालाना किराए के सौ गुना रकम की भरपाई बैंक द्वारा की जाती है जबकि लॉकर में रखे आभूषणों की कीमत इससे कहीं ज्यादा हो सकती है

किन चीजों को रखने की अनुमति

बैंक में लॉकर सुविधा लेने वाले बैंक ग्राहकों को अपने लॉकर में आभूषण, कीमती लेकिन छोटी वस्तुएं अथवा दस्तावेज के अलावा सरकार द्वारा प्रतिबंधित न की गई कोई भी वस्तु रखने की अनुमति दी गई है। अगर कोई व्यक्ति अपने लॉकर में कोई प्रतिबंधित वस्तु रखता है तो बैंक द्वारा इसके लिए उसे रोकना होगा अगर उसके बाद भी ग्राहक प्रतिबंधित वस्तु रखने की कोशिश करता है तो बैंक उसकी लॉकर सुविधा को बंद कर सकता है।

कौन सी वस्तुएं रखने पर रोक

बैंक ग्राहक अपने लॉकर में किसी तरह का हथियार भले ही वह लाइसेंसी हो कतई नहीं रख सकता है। इसके अलावा अन्य किसी तरह की वस्तुएं जैसे महंगा एंटीक सामान, नकदी, दवाएं, नशे से जुड़ी कोई वस्तु अथवा विदेशी मुद्रा इत्यादि रखता है तो कानूनी तौर पर गलत है। ग्राहक द्वारा अगर इन चीजों को बैंक लॉकर में रखा जाता है तो बैंकों को उसकी लॉकर सुविधा समाप्त करने का अधिकार है।

नुकसान से जुड़े नियम

अगर किसी बैंक ग्राहक के लॉकर में रखा सामान चोरी हो जाता है, या बैंक की इमारत को किसी कारण नुकसान पहुंचने से लॉकर में रखा सामान खराब हो जाता है। तो इसके लिए बैंक ग्राहक को अपनी बैंक शाखा से मुआवजा पाने का अधिकारी है। इसके अलावा अगर बैंक ग्राहक ने जानकारी न होने के कारण अपने बैंक लॉकर में नकदी अथवा अन्य कोई प्रतिबंधित वस्तु रखने की गलती कर दी है तो उसके एवज में बैंक द्वारा कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान का भी कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि ऐसे मामलों में बैंक की कोई गलती नहीं होती।

कितना मिलता है मुआवजा

अगर बैंक ग्राहक के लॉकर से सामान चोरी चला जाता है या खराब हो जाता है तो इसके एवज में बैंक द्वारा अपने ग्राहक को लॉकर के वार्षिक किराए का कुल 100 गुना तक मुआवजा दिया जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि लॉकर में बैंक के वार्षिक किराए का सौ गुना ज्यादा कीमत का सामान होता है लेकिन ऐसे मामलों में भी मुआवजे की रकम वार्षिक किराए की कुल सौ गुना ही रहेगी। यानी लॉकर का वार्षिक किराया अगर 10 हजार रुपए है तो इसका सौ गुना यानी दस लाख रुपए का मुआवजा ही मिलेगा।

कब निष्क्रिय हो जाता है लॉकर

अगर कोई व्यक्ति अपने बैंक लॉकर को लगातार सात साल तक नहीं खोलता है तो ऐसे बैंक लॉकर को बैंक प्रबंधन द्वारा निष्क्रिय घोषित कर दिया जाता है। भले ही ग्राहक अपने लॉकर के रिनीवल की फीस हर साल अदा कर देता हो। ऐसी स्थिति में सबसे पहले बैंक द्वारा यह कोशिश की जाती है कि अगर संभव हो तो ग्राहक का पता इत्यादि ढूंढकर उससे संपर्क किया जाए लेकिन अगर इसके बाद भी ग्राहक से संपर्क नहीं हो पाता है तो बैंक प्रबंधन द्वारा उस लॉकर को दोगवाहों की मौजूदगी में तोड़कर उसमें रखा सामान निकाल कर उसे सुरक्षित रख दिया जाता है।

लॉकर के किराए से जुड़े नियम

लॉकर के किराए से जुड़े नियमों में कुछ समय पहले बदलाव किये गए थे। कोई भी बैंक अपने ग्राहक से अधिकतम तीन साल का किराया ही एक साथ ले सकता है। इसके अलावा लॉकर का न्यूनतम किराया करीब 1350 रुपए व अधिकतम 20 हजार रुपए हो सकता है। किराए का निर्धारण लॉकर के साइज के आधार पर होता है। आमतौर पर बैंकों में तीन या चार साइज के लॉकर होते हैं। बड़े लॉकर का किराया भी कुछ ज्यादा होता है।

स्टांप पेपर पर होता है लॉकर एग्रीमेंट

बैंक अपने ग्राहक से 500 रुपए के स्टांप पेपर पर लॉकर एग्रीमेंट करते हैं। हालांकि कुछ बैंक सौ रुपए के स्टांप पेपर भी यह एग्रीमेंट कर रहे हैं। एग्रीमेंट में इस बात का उल्लेख करना होता है कि आप अपने बैंक लॉकर में क्या-क्या रखेंगे। बैंक को भी यह बताना होता है कि ग्राहक अपने लॉकर में कौन-कौन सी चीजें नहीं रख सकता है। इसके अलावा एग्रीमेंट नामिनी का पूरा विवरण भी दर्ज कराना होता है। लॉकर होल्डर के ना रहने की स्थिति में बैंक नामिनी का वैरिफिकेशन करके उसे लॉकर में रखा सामान सौंप देता है।

36 साल बाद वर्ल्डकप के अपने पहले मैच में भारत-ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने

आईसीसी वनडे विश्वकप में भारत का पहला मुकाबला आज कंगारुओं से

चेन्नई,(एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुआई में आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम रविवार को चेन्नई के एम.चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने वनडे वर्ल्डकप 2023 अभियान का आगाज करेगी। 36 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है जब भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्ल्डकप के अपने पहले मैच में आमने-सामने हो रही है।

इससे पहले आखिरी बार ऐसा संयोग साल 1987 में हुए वर्ल्ड कप में बना था। उस समय भी मुकाबला चेन्नई के ही मैदान पर हुआ था। हालांकि उस मुकाबले में भारत को एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। भारत की बल्लेबाजी जहां विश्व स्तरीय है तो आस्ट्रेलिया का तेज आक्रमण भी कुछ कम नहीं। चेन्नई की भीषण गर्मी उनके लिए हालांकि बड़ी चुनौती साबित होगी। भारत के पास ऐसा कप्तान है जो 19 नवंबर को कप थामकर भारतीय क्रिकेट के इतिहास का नया अध्याय लिखना चाहेगा। वहीं इस पीढी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज 35 वर्ष के विराट कोहली को सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने के लिए तीन वनडे शतक और बनाने हैं। यह अब उनका विश्वकप है। रोहित, कोहली और अश्विन अपनी विरासत छोड़ जाना चाहते हैं। 34 वर्ष के रविंद्र जडेजा या 33 वर्ष के मोहम्मद शमी भी पीछे नहीं हैं। जसप्रीत बुमराह के लिए भी यह अभी या कभी नहीं वाला मामला है। भारतीय टीम विश्व कप जीतती है तो यह वनडे क्रिकेट के लिये संजीवनी का भी काम करेगा। इसके अलावा यह तय करना होगा कि तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में अश्विन को कब उतारना है और किन मैदानों पर 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव उपयोगी होंगे। उन्हें शार्दुल ठाकुर की हौसलाअफजाई करनी होगी जब वह महंगे साबित हो रहे होंगे।

चेपॉक में भारत-ऑस्ट्रेलिया

9 अक्टूबर 1987- ऑस्ट्रेलिया 1 रन से जीता
17 सितंबर 2017- भारत 26 रन से जीता
22 मार्च 2023- ऑस्ट्रेलिया 21 रन से जीता

रोहित बोले, गिल बीमार हैं, लेकिन टीम के बाहर नहीं

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू बीमारी से जूझ रहे हैं जिनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलाने का लेकर संशय बना हुआ है। हालांकि टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि, मैच में गिल के खेलने के अभी भी मौका है। ये अपडेट खुद कप्तान रोहित ने मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया है। रोहित ने कहा कि गिल अभी तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से बाहर नहीं हुए हैं। रोहित ने कहा कि गिल को कोई चोट नहीं लगी है और वो बीमार हैं। लेकिन उनके खेलने या ना खेलने पर निर्णय मैच से ठीक पहले लिया जाएगा।

वनडे हेड-टू-हेड

कुल मैच	149
भारत जीता	56
ऑस्ट्रेलिया जीता	83
रद्द	10

चेन्नई में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन

चेन्नई के मैदान पर भारतीय टीम ने कुल मिलाकर 14 वनडे इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान उसे सात मैचों में जीत और छह में हार मिली। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा।

वर्ल्डकप में हेड-टू-हेड

कुल मैच	12
भारत जीता	04
ऑस्ट्रेलिया जीता	08

पिच रिपोर्ट चेपॉक में स्पिनर्स निभाएंगे अहम रोल चेपॉक की पिच आमतौर पर स्पिनरों की मददगार मानी जाती है और काफी टर्न देखने को मिलता है। भारतीय टीम में रवींद्र जडेजा, आर. अश्विन, कुलदीप यादव जैसे वर्ल्ड क्लास स्पिनर्स हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास एडम जाम्पा एश्टन एगर और ग्लेन मैक्सवेल हैं। दोनों टीमों के पास एक से बढ़कर एक बल्लेबाज भी हैं, जो मिनटों में गेम का पासा पलट सकते हैं। इस हाई वोल्टेज गेम में जो टीम दबाव के क्षणों में निखरकर सामने आएगी, वो जरूर विजयी होगी।

वर्ल्डकप में भारतीय टीम का शेड्यूल

- 8 अक्टूबर v/s ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई
- 11 अक्टूबर v/s अफगानिस्तान, दिल्ली
- 14 अक्टूबर v/s पाकिस्तान, अहमदाबाद
- 19 अक्टूबर v/sबांग्लादेश, पुणे
- 22 अक्टूबर v/s न्यूजीलैंड, धर्मशाला
- 29 अक्टूबर v/s इंग्लैंड, लखनऊ
- 2 नवंबर v/s श्रीलंका, मुंबई
- 5 नवंबर v/s साउथ अफ्रीका, कोलकाता
- 12 नवंबर v/s नीदरलैंड, बेंगलुरु

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, के.एल.राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, आर.अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलियाई टीम: पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नश लाबुशेन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जोश इंग्लिश (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, सीन एबॉट, मिचल स्टार्क, जोश हेजलवुड, एडम जम्पा।

द.अफ्रीका का विजयी आगाज

आईसीसी वनडे वर्ल्डकप: श्रीलंका को 102 रनों से रौंदा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। क्विंटन डिकॉक (100),रासी वान डर डुसेन (108) और एडन मारक्रम (106) के तूफानी शतकीय प्रहारों बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में शनिवार को श्रीलंका को 102 रनों से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 428 रन बनाए। जिसके जवाब में श्रीलंका की पारी 44.5 ओवर में 326 रनों पर सिमट गयी। रनो की बरसात के बीच इस मैच में पांच रिकार्ड भी बने। मारक्रम ने मात्र 49 गेंदो पर शतक जड़कर एक दिवसीय मैच में सबसे तेज शतक बनाने का रिकार्ड बनाया वहीं श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने मात्र 25 गेंदो पर अर्धशतक बनाकर एक रिकॅार्ड बनाया। इस मैच में दोनो टीमो ने कुल मिलाकर 754 रन बनाये जो एक दिवसीय मैचों के इतिहास में सबसे ज्यादा स्कोर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोक कर विश्व कप में एक कीर्तिमान और जोड़ दिया। टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्योता श्रीलंका को काफी महंगा पड़ा। कप्तान तेम्बा बावूना (8) को सस्ते में निपटाने के बाद श्रीलंका के गेंदबाज को कतई अनुमान नहीं रहा होगा कि बाकी के समय उनकी किस कदर से धुलायी होने वाली है। पहले क्विंटन डिकॉक और डुसेंन के बीच दोहरी शतकीय साझेदारी हुईजबकि बाद में डुसेन ने एडम मारक्रम के साथ शतकीय भागीदारी निभा कर अपनी टीम को विशाल स्कोर पर पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4/6
क्विंटन डिकॉक कै. धनंजय बो. पथिराना	100	84	12/3
तेम्बा बवूमा पगबाधा मदुशंका	08	05	2/0
वान डर डुसेन कै. सदीरा बो. वेल्लालगे	108	110	13/2
एडन मारक्रम कै. रजिता बो. मदुशंका	106	54	14/3
हेनरिक क्लासेन कै. दसून बो. रजिता	32	20	1/3
डेविड मिलर नाबाद	39	21	3/2
मार्को यानसन नाबाद	12	7	0/1

अतिरिक्त: 23, **कुल:** 50 ओवर में पांच विकेट पर 428 रन, **विकेट पतन:** 1-10, 2-214, 3-264, 4-342, 5-383 **गेंदबाजी:** कसुन रजिता 10-1-90-1, दिलशान मदुशंका 10-0-86-2, दसून शानका 6-0-36-0, धनंजय डीसिल्वा 4-0-39-0, मथीशा पथिराना 10-0-95-1, दुनिथ वेल्लालगे 10-0-81-1.

श्रीलंका	रन	गेंद	4/6
पथुम निसंका बो. मार्को	00	03	0/0
कुसल परेरा बो. मार्को	07	15	1/0
कुसल मेंडिस कै. क्लासेन बो. रबाडा	76	42	4/8,
समराविक्रमा कै.मार्को बो. कोएत्जी	23	19	3/1
चरिथ असलंका कै. हेंड्रिक्स बो.एनगिडी	79	65	8/4
डीसिल्वा कै. फेहुक्वायो बो. महाराज	11	14	1/0
दसून शानका कै. महाराज	68	62	6/3
दुनिथ वेल्लालगे कै. क्लासेन बो. कोएत्जी	00	01	0/0
कसुन रजिता कै. मारक्रम बो. कोएत्जी	33	31	4/1
मथीशा पथिराना बो. रबाडा	05	16	1/0
दिलशान मदुशंका नाबाद	04	02	1/0

अतिरिक्त: 20, **कुल:** 44.5 में 326 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-1, 2-67, 3-109, 4-111, 5-150, 6-232, 7-233, 8-291, 9-322, 10-326 **गेंदबाजी:** लुंगिसानी एनगिडी 8-1-49-1, मार्को यानसन 10-0-92-2, कगिसो रबाडा 7.5-0-50-2, केशव महाराज 10-0-62-2, जेराल्ड कट्जी 9-0-68-3 .

वर्ल्डकप में बांग्लादेश की आसान जीत

अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया, मेहदी हसन चमके

धर्मशाला, (एजेंसी)। मेहदी हसन मिराज (57 रन और 25 रन पर तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को यहां आईसीसी विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.2 ओवरों में 156 रन पर सिमट गयी। बांग्लादेश ने जीत का आसान लक्ष्य 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4/6
तंजिद हसन बो. मुस्तफिजुर	47	62	4/1
जदरान कै. तंजिद बो. शाकिब	22	25	3/1
रहमत शाह कै. लिटन बो. शाकिब	18	25	1/0
हशमतउल्लाह कै. ह्रदोय बो. मिराज	18	38	2/0
नजीबउल्लाह जदरान बो. शाकिब	5	13	0/0
मोहम्मद नबी बो. तस्किन	06	12	0/0
ओमरजाई बो. इस्लाम	22	20	4/0
राशिद खान बो. मिराज	9	16	1/0
मुजीब उर रहमान बो. मिराज	1	4	0/0
नवीन उल कै. ह्रदोय बो. इस्लाम	0	6	0/0
फजलहक फारूकी नाबाद	00	3	0/0

अतिरिक्त: 8 , **कुल:** 37.2 ओवर में 156 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-47, 2-83, 3-112, 4-112, 5-122, 6-126, 7-150, 8-156, 9-156, 10-156 **गेंदबाजी:** तस्किन अहमद 6-0-32-1, शोरिफुल इस्लाम 6.2-1-34-2, मुस्तफिजुर रहमान 7-1-28-1, शाकिब अल हसन 8-0-30-3, मेहदी हसन मिराज 9-3-25- 3, महमुदउल्लाह 1-0-7-0.

बांग्लादेश	रन	गेंद	4/6
तंजिद हसन रन आउट	05	13	1/0
लिटन कुमार दास बो. फारुकी	13	18	2/0
मेहदी मिराज कै. रहमत बो.नवीन	57	73	5/0
नजमुल शान्तो नाबाद	59	83	3/1
शाकिब कै. फारुकी बो. ओमरजाई	14	19	2/0
मुशफिकुर रहीम नाबाद	02	03	0/0

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 34.4 ओवर में चार विकेट पर 158 रन, **विकेट पतन:** 1-19, 2-27, 3-124, 4-146 **गेंदबाजी:** फजलहक फारूकी 5-0-19-1, मुजीब उर रहमान 7-0-30-0, नवीन उल हक 5.4-0-31-1, राशिद खान 9-0-48-0, मोहम्मद नबी 6-1-18-0, अजमतउल्लाह ओमरजाई 2-0-9-1 .

एशियाड में भारत का पदकों का शतक

28 स्वर्ण समेत कुल 107 पदकों के साथ अभियान किया समाप्त

हांगझोउ,(एजेंसी)। एशियाई खेलों के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (107 पदक) के साथ भारत ने हांगझोउ 2022 अभियान का समापन शानदार तरीके से किया और अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की आस 130 करोड़ भारतीयों के दिलों में जगा दी।

एशियन गेम्स का औपचारिक समापन आठ अक्टूबर रविवार को होगा मगर भारतीय खिलाड़ियों की स्पर्धायें शनिवार को समाप्त हो गई। अंतिम दिन भारतीय खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण समेत कुल 12 पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत ने 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य समेत कुल 107 पदकों के साथ एशियन गेम्स में अपने अभियान का समापन किया। यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले जकार्ता एशियन गेम्स में भारतीय टीम ने सर्वाधिक 70 पदक जीते थे जिनमें 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य शामिल थे। भारत का यह एशियन गेम्स में ही नहीं बल्कि किसी भी मल्टी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले भारत ने 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में 101 मेडल जीते थे जो कि दिल्ली में ही आयोजित हुए थे।

सात्विक-चिराग ने बैडमिंटन में पहली बार दिलाया सोना

बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोल्यू और किम वोन्हू को से हराकर एशियाई खेलों में भारत के लिए पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीता। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	197	108	70	375
जापान	49	63	68	180
द.कोरिया	39	58	89	186
भारत	28	38	41	107
उज्बेकिस्तान	21	18	31	70
चीनी ताइप	18	19	28	65
ईरान	13	21	19	53
थाईलैंड	12	14	31	57
बहरीन	12	3	5	20
उ.कोरिया	11	18	10	39

तीरंदाजी में भारतीय टीम ने कंपाउंड स्पर्धा में किया गोल्डन क्लीन स्वीप

ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत के लिए महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते जबकि अभिषेक वर्मा ने रजत और अदिति गोपीचंद स्वामी महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी में भारत के खाते में अब तक नौ पदक आये है जिसमें से सात पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत ने इस कैटेगरी को सभी पांच स्वर्ण पदकों के साथ क्लीन स्वीप किया। ज्योति सुरेखा ने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में दक्षिण कोरिया की चेवोन सो को 149-145 से हराकर तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया।

महिला कबड्डी में भारत को सोना

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरुआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया।

वर्षाबाधित क्रिकेट मैच में भारतीय टीम बनीं चैंपियन

एशियन गेम्स में पहली बार शिरकत कर रही भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को वर्षा के कारण रद्द किए गएमुकाबले में बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि अफगानिस्तान की टीम को रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। टॉस जीत कर भारत ने अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाये थे कि तेज बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इस बीच मैदान पर वर्षा की रफ्तार कम नहीं हुयी और मैदानी अंपायरों ने मैच को रद्द घोषित कर दिया। भारत को रद्द मैच में बेहतर आईसीसी रैंकिंग का लाभ मिला और उसे स्वर्ण से नवाजा गया।

विवादों के बीच कबड्डी में भारत को गोल्ड, फाइनल में भिड़े भारत और ईरान के खिलाड़ी, 1 घंटे तक सस्पेंड रहा मैच

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स मेंस कबड्डी इवेंट के फाइनल में ईरान को 33-29 से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 2018 एशियन गेम्स के फाइनल में ईरान के हाथों मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। हालांकि इस मैच की असल कहानी यह नहीं है कि भारत जीत गया। कहानी यह है कि मैच खत्म होने के 1 मिनट 51 सेकेंड पहले पॉइंट्स को लेकर दोनों टीमों के बीच विवाद हुआ। खिलाड़ियों ने धक्की-मुक्की की। रेफरी के खिलाफ प्रोटेस्ट हुआ। कुल मिलाकर 1 घटे तक खेल रुका रहा। दोबारा मैच शुरू होने के बाद भारत ने जीत हासिल की और गोल्ड अपने नाम किया। मेंस कबड्डी का एक मैच 45 मिनट का होता है। पूरे ड्यूरेशन में जो टीम ज्यादा पॉइंट्स हासिल करती है, वह मुकाबला जीत लेती है। भारत-ईरान फाइनल में 43 मिनट और 9 सेकेंड तक सब ठीक था। दोनों टीमें 28-28 पॉइंट्स की बराबरी पर थी। टक्कर कांटे की थी और एक-एक पॉइंट के लिए कड़ी फाइट थी। तभी भारत की ओर से पवन सेहरावत रेड करने ईरान के खेमे में जाते हैं। वे किसी भी ईरानी खिलाड़ी को टच (आउट) नहीं कर पाते और मैट से बाहर निकल जाते हैं। हालांकि पवन पर दबाव बनाने की कोशिश में ईरान के कुछ खिलाड़ी भी मैट से बाहर हो जाते हैं। रेफरी ने दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट दिया और यहीं से विवाद शुरू हो गया। दर्शक दीर्घा में बैठी भारतीय विमेंस कबड्डी टीम की खिलाड़ी पुष्पा राणा ने चिल्लाकर कर कहा कि ईरान के चार खिलाड़ी मैट से बाहर आए थे। इसलिए भारत को चार पॉइंट्स मिलने चाहिए। इसके बाद रीप्ले देखा गया। इसमें पुष्पा की बात सही साबित हुई। रेफरी ने फिर अपना फैसला बदलकर भारत को 4 पॉइंट्स दे दिए। इससे ईरानी खिलाड़ी सहमत नहीं थे। नौबत धक्का-मुक्की तक आ पहुंची। ईरान के खिलाड़ी रेफरी के खिलाफ प्रोटेस्ट करने लगे। इसके बाद मैच सस्पेंड कर दिया गया। विवाद के कारण मैच करीब 1 घंटे तक सस्पेंड रहा। तमाम रीप्ले देखने के बाद रेफरी और इवेंट की टेक्निकल टीम ने भारत को 3 और ईरान को 1 पॉइंट देने का फैसला किया। भारत 31-29 से आगे हो गया।

नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट: तीसरे दिन पश्चिम बंगाल के दो खिलाड़ियों के शतक

मप्र-प.बंगाल के बीच खिताबी मुकाबला आज

भोपाल,(खेसं) मध्यप्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को पश्चिम बंगाल और मेजबान मध्यप्रदेश के बीच राजधानी के ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर खेला जाएगा।

तीसरे दिन शनिवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में प. बंगाल ने उत्तरप्रदेश को 271 रनों के अंतर से हराया। वहीं दूसरे मैच में पंजाब को 9 विकेट से हराकर मध्यप्रदेश टीम फाइनल में पहुंची। पहले मैच में प. बंगाल ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए उत्तरप्रदेश को 304 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य दिया। बंगाल की ओर से पारी में राजू हलदार और अरिंदम मंडल ने शानदार शतक जमाए। इस विशाल स्कोर का सामना करने उतरी उत्तरप्रदेश की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। 9.3 ओवर में पूरी टीम महज 32 रन ही बना सकी। बंगाल 271 रन की जीत के साथ फाइनल में पहुंची। कप्तान चंदन मैथी और राजू हलदार मैन ऑफ द मैच चुने गए। चंदन ने 4 विकेट चटकाए, जबकि राजू ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए शतक के साथ 2 विकेट भी झटके। दूसरे मैच में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 125 रनों का स्कोर खड़ा किया। पंजाब की ओर से गौरव ने 40 रनों का अहम योगदान दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश टीम ने 13.4 ओवर में 9 विकेट खोकर आसानी से मैच जीता और फाइनल में स्थान पक्का कर लिया। रमेश टंडन और अमित अहिरवार मैन ऑफ द मैच चुने गए। अमित ने 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। संयोजक एवं प्रवक्ता डॉ. राजीव जैन ने बताया कि बांग्लादेश ब्लाइंड क्रिकेट फेडरेशन के सेक्रेटरी ताजुद्दीन भी शनिवार को मैच देखने के लिए भोपाल पहुंचे। वह रविवार को फाइनल मुकाबले और पुरस्कार वितरण समारोह के बाद एसोसिएशन के साथ एक अनुबंध करेंगे।

पहली बार जा रहे नॉर्थ ईस्ट इंडिया तो इन बातों का रखें खास ख्याल, परेशानियों से बचे रहेंगे आप

उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पश्चिम भारत की तरह नॉर्थ ईस्ट में भी बहुत सारे लोग घूमने के लिए आते हैं। यहां पर भारी संख्या में पर्यटकों की भीड़ होती है। आपको नॉर्थ ईस्ट में मौजूद अद्भुत और खूबसूरत घाटियां, हसीन तालाब, मनमोहक झरने और प्राकृतिक खूबसूरती बरबस ही पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। इसलिए पूरे साल यहां पर पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है।

ऐसे में अगर आप भी पहली बार नॉर्थ ईस्ट घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो बता दें कि इस दौरान आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि अन्य हिस्सों से नॉर्थ ईस्ट का परिवेश काफी अलग होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ अमेजिंग टिप्स और ट्रिक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो कर आप अपनी नॉर्थ ईस्ट की यात्रा को यादगार बना सकते हैं। नॉर्थ ईस्ट, भारत का एक ऐसा हिस्सा है, जहां पर मौसम अधिकतर सुहावना रहता है। मणिपुर,असम, अरुणाचल प्रदेश आदि राज्यों में जुलाई से लेकर अगस्त के बीच में बारिश होती रहती है। वहीं कई राज्यों में सड़कें और पहाड़ आदि बादलों से ढक जाते हैं। उत्तर भारत की तरह नॉर्थ ईस्ट में अधिक गर्मी नहीं पड़ती है। ऐसे में अगर आपको मौसम के हिसाब से ढलने में समस्या नहीं होती है, तो आप नॉर्थ ईस्ट के कई राज्य और शहर आपके लिए परफेक्ट हो सकते हैं। इसलिए मौसम की जानकारी लेकर कपड़ों की पैकिंग करें। क्योंकि सर्दियों में कई बार भारी बर्फबारी होती है। नॉर्थ ईस्ट घूमने जाने पहले आपको यहां के खानपान के बारे में जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए। क्योंकि भारत के अन्य हिस्सों से नॉर्थ ईस्ट का भोजन बिल्कुल अलग होता है। कुछ लोग नॉर्थ ईस्ट का खाना पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में अगर आपको भी स्थानीय खाना नहीं अच्छा लगता है, तो आप उस दौरान क्या खाएंगे। इस तरह से अपनी ट्रिप प्लान करें। लेकिन अगर आपको यहां का पारंपरिक खाना पसंद है, तो फिर यह यात्रा आपके लिए हमेशा यादगार रहेगी। अगर आप ट्रिप प्लान करने से पहले यह सोचकर परेशान हैं कि स्थानीय लोगों का स्वभाव कैसा होगा। तो बता दें कि पर्यटकों के प्रति नॉर्थ ईस्ट के लोगों का स्वभाव काफी अच्छा होता है। आप किसी जगह के बारे में स्थानीय लोगों से बेहिचक पूछ सकते हैं। इसके अलावा आप अपनी ट्रिप को यादगार बनाने के लिए यहां की पारंपरिक गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के अलावा नॉर्थ ईस्ट के लगभग सभी राज्य पहाड़ों के बीच मौजूद हैं। इसलिए इन राज्यों में सफर करने के लिए आपको मैदानी जगह नहीं मिलेगी। ऐसे में अगर आप पहाड़ों आदि में चलने व घूमने का शौक रखते हैं, तो आपका सफर अधिक यादगार बन सकता है। यहां पर आप ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

नॉर्थ ईस्ट में घूमने के लिए आपको स्थानीय बस और टैक्सी से घूमना होगा।

भारत के अन्य राज्यों में आपको यहां पर चीजें कीमती होने के साथ सस्ती भी मिल सकती हैं।

नॉर्थ ईस्ट में रुकने के लिए होटल बहुत कम कीमत पर मिल जाते हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मारोग सुरंग जनता को समर्पित

जम्मू (भाषा)। अधिकारियों ने शनिवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो लेन की मारोग सुरंग और एक पुल सहित 645 मीटर के खंड को जनता को समर्पित किया।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर खंड के पूरा होने की घोषणा करते हुए कहा कि नया खंड यात्रा की दूरी 200 मीटर कम कर देगा और यात्रियों को सीता राम पस्सी भूस्खलन संभावित क्षेत्र से बचने में मदद करेगा। मंत्री ने एक्स पर नवनिर्मित पुल और सुरंग की चार तस्वीरें साझा करते हुए कहा, यह परिवर्तनकारी विकास न केवल क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगा, बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में इसके महत्व को भी बढ़ाएगा। गडकरी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में हमने 82 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 395 मीटर (2-लेन) मारोग सुरंग के साथ 250 मीटर पुल (2-लेन) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। मंत्री ने कहा, यह बुनियादी ढांचा एनएच-44 (श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग) के रामबन से बनिहाल खंड पर स्थित है। बड़ी परियोजना के हिस्से के रूप में 645 मीटर का यह खंड न केवल यात्रा की दूरी को 200 मीटर तक कम कर देगा, खड़े ढलानों को कम करेगा, बल्कि प्रसिद्ध सीता राम पस्सी ढलाव क्षेत्र से बचते हुए एक वैकल्पिक मार्ग भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह चुनौतीपूर्ण मारोग क्षेत्र के ढलानों से बचते हुए वाहनों के सुचारू प्रवाह की सुविधा प्रदान करेगा। गडकरी ने कहा, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, हम जम्मू-कश्मीर में असाधारण राजमार्ग बुनियादी ढांचा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़ता से कायम रखे हुए हैं।

महिला चालकों को श्रेणी बदलने के विकल्प पर विचार कर रहा रेलवे बोर्ड

■ नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन ने उठाई थी मांग

नई दिल्ली (भाषा)। रेलवे बोर्ड महिला चालकों और रेल पटरी का रखरखाव करने वाली कर्मियों को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने का विकल्प देने की मांग पर विचार कर रहा है तथा इसने सभी जोन को ऐसे कर्मचारियों और लंबित आवेदनों की संख्या साझा करने को कहा है। बोर्ड ने चार अक्टूबर को सभी रेलवे जोन को भेजे एक पत्र में कहा कि नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) ने 'वुमन ट्रैक मेंटेनर्स' (पटरी की देखरेख करने वाली महिला कर्मी) और 'रनिंग स्टाफ' को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने के लिए एक बार का विकल्प देने का अनुरोध किया है। 'रनिंग स्टाफ' में सवारी गाड़ियों और माल गाड़ियों के चालक व 'गुड्स गार्ड' आदि कर्मचारी आते हैं। बोर्ड के पत्र में यह कहा गया है, 'मामला बोर्ड के कार्यालय में विचाराधीन है। इस संबंध में सभी जोनल रेलवे को महिला ट्रैक मेंटेनर्स, एएलपी (सहायक लोको पायलट) की संख्या और अन्य श्रेणियों में काम करने वाली महिला 'रनिंग स्टाफ' या महिला कर्मचारियों से उनकी निर्धारित श्रेणियों में बदलाव के लिए लंबित अनुरोधों की संख्या बताने का अनुरोध किया गया है।

सहायक ट्रेन चालकों को सहायक लोको पायलट के रूप में भी जाना जाता है। पटरी की देखरेख करने वाली महिला कर्मियों और सहायक लोको पायलट के संगठनों ने उनके काम की परिस्थितियों को बहुत कठिन और असुरक्षित बताया है, इसलिए वे अपनी नौकरी की श्रेणी को बदलना चाहती हैं।

संगठनों ने बताया कि नौकरी की श्रेणी में बदलाव के ज्यादातर अनुरोध कई वर्षों से रेलवे जोन के पास लंबित है। इंडियन रेलवे लोको रनिंगमेन ऑर्गनाइजेशन (आईआरएलआरओ) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का हल करने के लिए यह सही कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ महिला सहायक लोको पायलट और लोको पायलट को उनकी नौकरी की श्रेणी बदले बगैर कार्यालयों में काम करने की अनुमति दी गई है।

पांधी ने कहा, 'समस्या यह है कि जब महिलाएं रेलवे में रनिंग या फील्ड तैनाती पर जाती हैं, तभी उन्हें पता चलता है कि काम कितना कठिन है। सुविधाओं के अभाव के कारण महिला कामगारों के लिए काम करना मुश्किल हो जाता है। उदाहरण के लिए, काम के घंटों की अनिश्चितता और आराम के समय की कमी।' उन्होंने कहा, 'नौकरी की श्रेणी में बदलाव पर विचार करने के बजाय मैं रेलवे को सुविधाएं देने की सलाह देता हूं ताकि महिला कर्मियों को फील्ड में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।'

दबी जुबान से

100 के पार...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम करने का अलग तरीका है। कोई काम करने से पहले वह एक लक्ष्य तय कर देते हैं और संबंधित विभाग से योजना बनाने को कहते हैं। हालांकि डिपार्टमेंट का सांस फूला रहता है लेकिन मामला लक्ष्य के आसपास पहुंच ही जाता है। ओलम्पिक और एशियाई खेलों के लिए ओलम्पिक पोडियम नाम की योजना चलायी गयी है, जिसके परिणाम देखने को मिले हैं। एशियाई खेल शुरू होने से पहले मोदी ने नारा दिया था अबकी बार 100 के पार। एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार भारत 100 मैडल जीतने जा रही है जिसमें 22 गोल्ड मैडल होंगे। जकार्ता में हमने 70 मैडल जीते थे और अब चीन में हो रहे खेलों में आंकड़ा 105 तक पंहुच सकता है।

या तो खेल लो या राजनीति करो

बजरंग पूनिया एशियन गेम्स में ईरान के खिलाड़ी रहमान से सेमिफाइनल हार गये। उन पर मैच जीतने का काफी दवाब था, लेकिन ईरान के खिलाड़ी रहमान ने अच्छे दाव लगाये। एशियाई खेलों की पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा स्पर्धा के सेमीफाइनल में ईरान के रहमान अमोजाद खलीली के खिलाफ 1-8 से शिकस्त झेलनी पड़ी लेकिन वह हमवतन अमन सहरावत के साथ कांस्य पदक की दौड़ में बने हुए हैं। दरअसल पूनिया कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगातार आंदोलन करते रहे और कुश्ती की प्रेक्टिस करने के बजाए धरना प्रदर्शन करते रहे। इसके कारण उनका खेल प्रभावित हुआ।

बदल गई भाषा और भ्रष्टाचार की परिभाषा

आम आदमी पार्टी के नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में एक के बाद एक जेल जा रहे हैं। पहले मंत्री सत्येन्द्र जैन गये, फिर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया और अब सांसद संजय सिंह सलाखों के पीछे हैं। कभी भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने की बात करके सत्ता में आने वालों के लिये मानों भ्रष्टाचार की परिभाषाा भी बदल गई। यही नहीं सत्ता मिलने के बाद से उनकी भाषा भी जिस तरह कई मौकों पर अभद्रता की सीमाएं तोड़ती दिखाई दी है उससे तो यही लगता है, उनकी भाषा भी बदल गई है। प्रधानमंत्री के लिये अप्रत्यक्ष रूप से कभी चौथी पास राजा बोलना, कभी प्रधानमंत्री को अडानी का नौकर बोलना, कभी प्रधानमंत्री को मानसिक रूप से बीमार बोलना आदि जिस तरह की भाषा इस पार्टी के बड़े-बड़े नेता बोलते हैं, उससे तो यही लगता है कि या तो सत्ता ने इनकी भाषा बदल दी है या फिर मीडिया की सुर्खियों में रहने के लिये वह इस अभद्रता की परिचय देते हैं। अब यह तो आप नेता केजरीवाल ही जानें कि भाषा में इतनी अभद्रता क्यों है और सत्ता में आते ही उनके लिये भ्रष्टाचार की परिभाषा क्यों बदल गई है।

तेलंगाना से कांग्रेस खुश...

तेलंगाना में राजनीति बदल रही है। कांग्रेस भी चकित है कि भाजपा ही नहीं सरकार चला रही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता भी पार्टी में लगातार शामिल हो रहे हैं। यही वजह है कि अब पार्टी तेलंगाना के चुनाव को लेकर बेहद गंभीर हो गई है। पार्टी के ताजा सर्वे में भी बताया गया है कि उसकी स्थिति काफी बेहतर हुई है और बीआरएस के खिलाफ सत्ता विरोध वोट कांग्रेस को ही मिलेगा। संगठन के मामले में कमजोर कहे जाने वाले राज्य तेलंगाना में कांग्रेस अब आगामी चुनाव में काफी संभावनाएं देख रही है। यही वजह है कि पार्टी ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कई नेताओं को तेलंगाना में लगाया है।

संजय की गिरफ्तारी और कांग्रेस

शराब घोटाले में अपने नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आप ने इस बात के प्रयास किए कि कांग्रेस इस पर सरकार के खिलाफ बोले। पार्टी से पहले दिन किसी बड़े नेता का बयान नहीं आया। कांग्रेस ने आप में रह आए प्रवक्ता अजय कुमार से बयान दिलवाकर इसकी रस्म भर निभाई। आप ने इंडिया के सहयोगी दल होने की दुहाई देकर कुछ वरिष्ठ नेताओं से कांग्रेस के नेताओं को फोन भी कराए। इसके बाद कांग्रेस के संगठन मामलों के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्विटर (अब एक्स) पर लिखा 'निष्पक्ष सुनवाई के लोकतांत्रिक सिद्धांत और संविधान की सीमाओं के भीतर काम करने वाली अथॉरिटी से समझौता नहीं किया जा सकता।' उन्होंने यह भी लिखा कि हम वे नहीं बन सकते, जिनका हम खुद विरोध करते हैं। इसके लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने पंजाब में पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी का भी मुद्दा छेड़ा । पंजाब में आप की सरकार ने कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार किया था।

जी20 स्क्रीनिंग कमेटी का मुखिया अजनबी...

जी20 शिखर सम्मेलन संपन हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया है जिसकी अध्यक्षता ऐसे अधिकारी को दी गई है जिसने जी20 में दूर-दूर तक कोई योगदान नहीं दिया। अब इस अजनबी अधिकारी से जी20 के दौरान राउंड द क्लाक सेवाएं देने वाले अधिकारियों की बेचैनी बढ़ गई है। वे इनके पास पहुंचने का जुगाड़ ढूंढ रहे हैं। किसी न किसी बहाने वे जब इनसे मिलने का टाइम मिलता है। तब वे अपनी समस्या को शेयर करने के बजाय सिर्फ जी20 के दौरान हाड़तोड़ मेहनत करने संबंधी अनुभव शेयर कर रहे हैं। अब कमेटी के मुखिया अचरज में रहता है कि भला इन महाशय ने तो मुझसे मिलने के लिए कोई दूसरा इश्यू लेकर आए थे। तो फिर ये अपनी दूसरी समस्याओं का जिक्र क्यों कर रहे हैं। अब इस असमंजस की खबर स्वास्थ्य मंत्री जी के कार्यालय में पहुंच गई है। जो अपने आदेश का रिव्यू कर रहा है कि भला जी20 स्क्रीनिंग कमेटी में इस अधिकारी का नाम किसने सुझाया था। चर्चा का दौर अब इस कदर गरम है कि मंत्रालय में अब यह अधिकारी खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है कि वह किस चक्कर में फंस गया। स्थितियां भी बदल गई है। अब उसके पास कोई भी नहीं आ रहा है। वह भी स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय के नए फरमान का इंतजार कर रहा है उसे जल्द यहां से मुक्ति मिले।

भला हो...लगी रहेगी श्रेय की होड़

कभी ट्रक ड्राइवर के साथ... तो कभी सब्जी मंडी में... ऐसी खबर और फोटो के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी अक्सर सुर्खियों में नजर आते रहते हैं। इसी तरह से बीते दिनों राहुल गांधी दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। इस बार वे कुली के भेष में सिर पर सूटकेस रखे फोटो में नजर आये। इस फोटो में उनके साथ कुलियों की भीड़ भी दिखी। इस फोटो से यह खबर निकली कि राहुल गांधी ने कुलियों के साथ समय बिताकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यह फोटो और खबर अभी सोशल मीडिया पर वायरल हो ही रही थी कि इसी बीच दिल्ली के रेल मंडल से एक खबर आयी कि कुलियों का मेहनताना बढ़ा दिया गया है। अभी तक उन्हें जो न्यूनतम सौ रुपये की मजदूरी मिलती थी वह 40 प्रतिशत बढ़कर 140 रुपये हो गयी है। अब कहा यह जा रहा है कि अगर कांग्रेस नेता कुलियों के साथ नहीं दिखे होते तो यह करिश्मा नहीं होता। फिलहाल इस पचड़े में पड़ने की जरूरत नहीं, क्योंकि यह सब जानते है कि राजनीति के अपने रंग होते हैं। राजनीति में श्रेय लेने की होड़ लगी रहती है। इसी बहाने ही सही, भला तो कुलियों का हो गया। जहां तक होड़ का सवाल है यह सभी जानते हैं कि एक ही झटके में रेलवे में कुछ नहीं होता है। प्रस्ताव पर लंबी मंत्रणा के बाद ही निर्णय होते हैं।

सेवानिवृत्ति का इंतजार

सुप्रीम कोर्ट जज के दो पद लगभग तीन माह से रिक्त पड़े हैं। उनकी जगह लेने के लिए हाई कोर्ट के कई चीफ जस्टिस इंतजार में हैं लेकिन अब लगता है कि इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य जज जस्टिस एस रवीन्द्र भट 20 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक साथ तीन न्यायाधीशों की नियुक्तियां होंगी तो आगे की तस्वीर भी साफ हो जाएगी। वर्ष 2031 तक सीजेआई के पद पर कौन-कौन आसीन होगा, यह तय हो चुका है। नई नियुक्तियों में हो सकता है कि कोई एक सीजेआई की रेस में शामिल हो जाए। सुप्रीम कोर्ट में पिछले कुछ माह से न्यायाधीशों की नियुक्ति रिक्तता के तुरंत बाद हो रही थी लेकिन तीन माह से उस पर विराम लग गया है। तीन नए न्यायाधीशों के आने से रिक्त स्थान तो भरेंगे ही, पेंडिंग मामलों का निपटारा भी जल्द होगा।

संक्षिप्त खबरें

इसरो से संबंधित जगह आम लोगों के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को तमिलनाडु में एक 'स्थल' को आम लोगों की पहुंच से बाहर घोषित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि यह 'स्थल' इसरो की एसएसएलवी परियोजना का प्रक्षेपण स्थल है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि निर्दिष्ट स्थानों पर की गई कुछ गतिविधियों के संबंध में जानकारी 'दुश्मन को नहीं होनी चाहिए।' इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार यह समीचीन मानती है कि ऐसे स्थानों पर अनधिकृत व्यक्तियों की पहुंच को रोकने को विशेष सावधानी बरती जाए।

पीएम ने की घोषणाएं लागू करने की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने भाषण के दौरान की गई विभिन्न घोषणाओं को लागू करने की तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को एक बैठक की अध्यक्षता की।अधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों और मध्यम वर्ग को घर के स्वामित्व के लिए किफायती ऋण सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही थी और उन्होंने घरों के लिए सौर ऊर्जा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया था।

आठ दिन बाद नक्सलियों ने अगवा पुलिस जवान को छोड़ा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में पिछले सप्ताह अगवा किए गए एक पुलिस जवान को नक्सलियों ने रिहा कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस की नवगठित इकाई बस्तर फाइटर्स का जवान शंकर कुड़ियाम (28) करीब एक सप्ताह से लापता था। बृहस्पतिवार को नक्सलियों ने दावा किया था कि उन्होंने 29 सितंबर को कुड़ियाम का अपहरण कर लिया था।

तृणमूल कांग्रेस का धरना तीसरे दिन भी जारी

कोलकाता। कोलकाता में राज भवन के बाहर टीएमसी के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं का धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस जब तक प्रदर्शन स्थल पर आकर उनसे नहीं मिलते, तब तक यह धरना जारी रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल की कथित बकाया मनरेगा राशि जारी करने को लेकर धरना दे रहे हैं।

मृतक संख्या 27 हुई, 141 अब भी लापता

सिक्किम बाढ़

■ जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह राशि

■ राहत शिविरों में शरण लिए प्रत्येक व्यक्ति को दो-दो हजार रुपये की तत्काल राहत

गंगटोक (भाषा)। सिक्किम में बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के बाद मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 27 हो गई। लापता 141 लोगों की तलाश का काम जारी है।

भू राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं राज्य राहत आयुक्त के अनुसार, बुधवार तड़के बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में आठ सैनिकों सहित 27 लोगों की मौत हो चुकी है और 25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा बाढ़ से 1,200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 13 पुल बह गए हैं। इस बीच, एक और सैनिक का शव पश्चिम बंगाल से शनिवार को बरामद हुआ। 27 लोगों में से चार की मंगन जिले में, छह की गंगटोक जिले में और नौ लोगों की मौत पाकयोंग में हुई। त्रासदी में आठ सैनिक भी मारे गए हैं। अब तक विभिन्न इलाकों से 2,413 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं 6,875 लोगों ने राज्य भर में बनाए गए 22 राहत शिविरों में आश्रय ले रखा है। बाढ़ से 26 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बाढ़ से चार जिलों-मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची में 25,065 लोग प्रभावित हुए हैं।

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने राज्य में बाढ़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि और राहत शिविरों में शरण लिए प्रत्येक व्यक्ति को दो-दो हजार रुपये की तत्काल राहत देने की भी घोषणा की। हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हम नुकसान के बारे में सटीक विवरण नहीं दे सकते। इसका पता तब चलेगा, जब एक समिति गठित की जाएगी और वह अपना विश्लेषण पूरा करेगी। हमारी पहली प्राथमिकता फंसे हुए लोगों को बचाना और उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, जिलों के बीच सड़क संपर्क टूट गया है और पुल बह गए हैं। उत्तरी सिक्किम में संचार सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। बरदांग इलाके से लापता हुए सेना के 23 जवानों में से आठ के शव निचले इलाकों के विभिन्न हिस्सों से बरामद किए गए हैं, जबकि एक को बचा लिया गया है और बाकी लापता जवानों की तलाश सिक्किम व उत्तर बंगाल में जारी है। रक्षा विभाग के अनुसार, बरदांग में घटनास्थल पर सेना के वाहनों को कीचड़ से बाहर निकाल लिया गया है। तलाश अभियान में श्वान दल और विशेष राडार का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सिक्किम के लाचेन, लाचुंग में तीन हजार पर्यटक फंसे

गंगटोक (भाषा)। सिक्किम में अचानक आई बाढ़ और सड़क संपर्क कट जाने के कारण मंगन जिले के लाचेन और लाचुंग में 3000 से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं और सभी सुरक्षित हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया, भारतीय वायुसेना ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर के जरिये बचाव और राहत अभियान चलाने के कई प्रयास किए, लेकिन खराब मौसम, निचले इलाकों में बादल छाए रहने और लाचेन तथा लाचुंग में कम दृश्यता की स्थिति के कारण बागडोगरा के साथ-साथ चाटेन से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके। लाचेन और लाचुंग की सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। बचाव दल को आगे बढ़ने के लिए जोंगू के माध्यम से चुंगथांग तक एक वैकल्पिक मार्ग खोलने की प्रक्रिया जारी है। तीस्ता ऊर्जा ने पर्यटकों के बचाव और चुंगथांग क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक हेलीकॉप्टर भी प्रदान किया है। अधिकारियों ने बताया, इलाके में पहुंची आईटीबीपी की टीम फिलहाल चुंगथांग में राहत और बचाव का काम कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगन जिले के संबंध में मौसम पूर्वानुमान में कहा, अगले पांच दिन में जिले के ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। यहां एनडीआरएफ के दल राज्य एजेंसियों के साथ सिंगतम, बारदांग और रंगपो जैसे इलाकों में बचाव अभियान में व्यस्त हैं। बचाव दल हालांकि उत्तरी सिक्किम, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग के ऊपरी इलाकों तक नहीं पहुंच पाए हैं।

महिला नक्सली ने किया सरेंडर, 11 लाख का था इनाम

■ महाराष्ट्र के गढ़चिरोली में कई मुठभेड़ों, आगजनी और हत्या की घटना में शामिल रही

गढ़चिरोली (भाषा)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में कई मुठभेड़ों, आगजनी और हत्या की घटना में शामिल रही एक महिला नक्सली ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उसपर कुल 11 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

गढ़चिरोली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने शनिवार को बताया, पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बीजापुर की रहने वाली रजनी उर्फ कलावती समैया वेलादी ने बताया कि नक्सल कमांडर उस जैसे कार्यकर्ताओं से गतिविधियों के लिए जबरन वसूली करने को कहते हैं, लेकिन वे उन पैसों का उपयोग अपने लिए करते हैं। बयान में वेलादी के हवाले से कहा गया है, वरिष्ठ माओवादियों द्वारा महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। शादीशुदा सदस्य स्वतंत्र विवाहित जीवन नहीं जी सकती हैं।

बयान के अनुसार, वेलादी सुरक्षाबलों के साथ हुई कई मुठभेड़ों का हिस्सा रही है, उनमें 2017 में छत्तीसगढ़ में हुई वह मुठभेड़ भी शामिल है, जिसमें घात लगाकर किए गए हमले में 12 जवानों की मौत हो गई थी। वेलादी पर कुल 11 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था, इनमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित छह लाख रुपये और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से घोषित पांच लाख रुपये का इनाम शामिल है। पुलिस ने कहा, प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के कई सदस्यों का उनके नेतृत्वकर्ताओं के खोखले दावों से मोहभंग हो गया है। वे आम लोगों के खिलाफ हिंसा से आजिज आ गये हैं।

NRI हत्याकांड : पत्नी को मृत्युदंड, दोस्त को उम्रकैद

बंडा/शाहजहांपुर। 7 वर्ष पूर्व बंडा में हुए चर्चित एनआरआई हत्याकांड के मृतक की आरोपी पत्नी को सजा-ए-मौत व दगाबाज दोस्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी। शनिवार को यह फैसला शाहजहांपुर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज श्रीवास्तव द्वारा सुनाया गया। इससे 2 दिन पूर्व 5 अक्टूबर को दोनों आरोपितों को हिरासत में लिया गया था।

बंडा के गांव बसंतापुर निवासी विधवा वंश कौर का पुत्र सुखजीत सिंह उर्फ सोनू इंग्लैंड में अपनी पत्नी रमनदीप कौर और दो बेटों के साथ रहता था। पंजाब के जिला कपूरथला के गांव जैनपुर निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ मिट्ठू सुखजीत सिंह का बचपन का दोस्त था जो दुबई जाकर अपना कारोबार करने लगा था। दोस्ती के चलते सुखजीत और गुरप्रीत का आपस में मिलना जुलना था। इसी दौरान रमनदीप कौर और गुरप्रीत सिंह का प्रेम प्रसंग शुरू हो गया और दोनों ने मिलकर सुखजीत सिंह को रास्ते से हटाने की योजना बना डाली। वर्ष 2016 में इसी योजना के तहत रमनदीप कौर अपने पति सुखजीत सिंह और दोनों बेटों को साथ लेकर भारत आई वहीं दूसरी और दुबई से उसका प्रेमी गुरप्रीत सिंह भी भारत पहुंच गया। 1 सितंबर 2016 की रात को रमनदीप ने घर में बिरयानी बनाई जिसमें नशीला पदार्थ मिलाकर सांस वंश कौर और पति सुखजीत सिंह को खिलाई। घर में छत पर बने मकान में सुखजीत सिंह अपनी पत्नी रमनदीप कौर और दोनों बेटों के साथ सो गया। तभी आरोपी पत्नी ने अपने प्रेमी गुरप्रीत सिंह को बुला लिया और सो रहे सुखजीत सिंह के सिर पर गुरप्रीत सिंह ने हथौड़े से वार किया जबकि रमनदीप कौर ने चाकू से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। सर्विलांस का सहारा लेकर पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी गुरप्रीत उर्फ मिट्ठू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जजों की नियुक्ति में देरी के मामले में सुनवाई कल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दो याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिसमें न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित नामों को मंजूरी देने में केंद्र द्वारा देरी का आरोप लगाने वाली याचिका भी शामिल है। कॉलेजियम प्रणाली के माध्यम से न्यायाधीशों की नियुक्ति अतीत में सुप्रीम कोर्ट और केंद्र के बीच टकराव का एक प्रमुख मुद्दा बन गई और कॉलेजियम प्रणाली की विभिन्न वर्गों से आलोचना हो रही है।जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की बेंच 9 अक्टूबर को याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितम्बर को जजों की नियुक्ति में देरी पर कहा कि कॉलेजियम की 70 सिफारिशें पिछले नवम्बर से अब तक सरकार के पास अटकी हुई है और अटॉर्नी जनरल से इस मुद्दे को हल करने के लिए उनके कार्यालय का उपयोग करने को कहा।

बंगाल को मनरेगा के बकाया से वंचित नहीं किया : साध्वी निरंजन ज्योति

कोलकाता (भाषा)। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने पश्चिम बंगाल को कभी भी मनरेगा के बकाया से वंचित नहीं किया है और पिछले नौ वर्षों के आंकड़े यह साबित करते हैं।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के जिलों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना कोष के उपयोग में विसंगतियां हैं। मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इन आरोपों को खारिज किया कि उन्होंने मनरेगा के बकाया के संबंध में बातचीत के लिए नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार कर दिया।

ज्योति ने कहा, मैं उनसे मिलना चाहती थी और उनका लगभग ढाई घंटे तक इंतजार किया। लेकिन वे अपने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की संख्या को लेकर अड़े रहे। उन्होंने दावा किया, वे अब झूठे आरोप लगा रहे हैं कि मैं पिछले दरवाजे से भाग गई। टीएमसी झूठ फैला रही है। वे मुझसे मिलना नहीं चाहते थे, वे सिर्फ नाटक करना चाहते थे। केंद्रीय मंत्री ने किसी भी समय टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी की नीयत पर सवाल उठाया।

इससे पहले, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, पार्टी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के साथ-साथ मनरेगा कामगारों ने नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था तथा कृषि भवन स्थित ग्रामीण विकास मंत्रालय तक मार्च किया था, जहां उनका ज्योति से मिलने का कार्यक्रम था। हालांकि, करीब डेढ़ घंटे के बाद टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि प्रतिनिधिमंडल में सदस्यों की संख्या पांच तक रखने की बात कहते हुए मंत्री ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया।

बघेल ने भाजपा को बताया आरक्षण विरोधी

■ कहा, सोशल मीडिया पर वायरल सूची से भाजपा की अंदरूनी कलह का पता चलता है

रायपुर (भाषा)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को भाजपा पर आरक्षण के खिलाफ होने का आरोप लगाया और पूछा कि केंद्र सरकार जनगणना क्यों नहीं करा रही है। आगामी चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की एक कथित सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस पर कटाक्ष करते हुए बघेल ने कहा कि वायरल सूची से भाजपा की अंदरूनी कलह का पता चलता है।

संवाददाताओं ने बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि भाजपा सवाल उठा रही है कि राज्य सरकार ने सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की है, इसपर बघेल ने कहा, भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। जब अदालत ने पूछा कि राज्य सरकार ने किस आधार पर ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है, तब ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए गणना की गई।

बघेल ने कहा, गणना में पाया गया कि राज्य में 43.5 प्रतिशत ओबीसी और 3.5 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस हैं, जिसके आधार पर उनके लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। क्या भाजपा नहीं मानती कि राज्य में 43 फीसद से ज्यादा ओबीसी हैं? अगर उन्हें विश्वास नहीं है तो वे 2021 की जनगणना क्यों नहीं कराते। जब हम सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कर सकते हैं, बिहार सर्वेक्षण कर सकता है तो केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि अगर कांग्रेस छत्तीसगढ में सत्ता बरकरार रखती है तो राज्य में जाति जनगणना कराई जाएगी।

सोशल मीडिया पर भाजपा के लगभग 50 उम्मीदवारों की वायरल सूची के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह सूची भाजपा के भीतर आंतरिक गुटबाजी के परिणामस्वरूप लीक हुई है। अन्यथा यह संभव नहीं है कि सूची लीक हो जाए। भाजपा की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई है। 'महादेव ऑनलाइन बुक' नामक अवैध सट्टेबाजी ऐप की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को पहले यह बताना चाहिए कि वह इस ऐप को कब बंद करने जा रही है और वह इसकी निष्पक्ष जांच क्यों नहीं करा रही है। राज्य सरकार ने चार सितम्बर 2019 को एक अध्यादेश जारी करके ओबीसी का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया था। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी किया गया।

कुछ लोगों ने राज्य सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती दी थी, जिसके बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के आदेश के कार्यान्वयन पर रोक लगाते हुए, संबंधित जनसंख्या का आंकड़ा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने 'क्वांटिफायबल डाटा आयोग' का गठन कर आंकडा जुटाना शुरू किया।

शहीदों को सम्मान देने का काम पीएम ने किया : डॉ. अवधेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि देश के शहीदों को आजतक किसी ने उतना सम्मान नही दिया जितना मिलना चाहिए। यह अमृत कलश यात्रा उसी सम्मान को शहीदों को गांव तक पहुचाने की यात्रा है। जिसमे आप सबका योगदान है।

उक्त बातें रविवार को ब्लॉक मुख्यालय मंगारी पर आयोजित मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा के शुभारंभ पर कही। उन्होंने कहाकि देश के वीर शहीद जवानों के स्मृति में नई दिल्ली में बनने वाले मेमोरियल वार के लिए उक्त मिट्टी जाएगी। जिसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होगी। जिससे उनको सम्मान मिल सके। यह काम पीएम मोदी ने किया। हम सब शहीदों को नमन व याद करते हुए कलश को उठाने का सौभाग्य मिला। जिसमे शहीदों के घर की भी मिट्टी है। इसके पूर्व शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रविशंकर सिंह ने कहाकि शहीदों के याद में ब्लॉक परिसर में जिले का आदर्श शहीद पार्क बनेगा। इसके पूर्व ब्लॉक के 104 गांवों से कलश यात्रा ब्लॉक पहुँची उसके बाद कलश यात्रा

निकाली जो जनपद मुख्यालय पहुचेगी। इसके पूर्व विधायक ने सभी को शपथ दिलाई। कलश यात्रा के साथ विधायक डॉ अवधेश सिंह, एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा, बीडीओ छोटेलाल तिवारी, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, प्रियंका मिश्रा, सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर धनंजय सिंह व सीडीपीओ आर एन सिंह व ब्रजेश पांडेय आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के साथ ब्लॉक से निकली रैली दो किमी तक भ्रमण किया। इस दौरान भाजपा के कार्यक्रम प्रभारी व जिला मंत्री डॉ जेपी दुबे, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, शैलेश मिश्रा, अभिषेक राजपूत, सुधीर सिंह, जगदीश सिंह, प्रवीण तिवारी, अजय ऊदल, धर्मेंद्र सिंह, शिवबचन गुप्ता व ग्राम प्रधान जेपी पाल, राजेन्द्र पटेल समेत अनेक ग्राम प्रधान रहे।

शहीद हुए सेना के परिजनों को किया गया स्वागत- अमृत कलश यात्रा के दौरान ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। पिंडरा ब्लॉक के तिवारीपुर निवासी व शहीद सेना मेडल व नायक दीपक कुमार के पिता रमाशंकर पटेल, भोपतपुर के शहीद हवलदार मनोज कुमार पांडेय के चाचा राजेश पांडेय तथा भई के शहीद भइयालाल की पत्नी रामदुलारी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शहीद परिवार के लोगों की आंखे नम हो गई।

भारत माता की जयकारे के बीच पहुची गांवों से किलश- पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक मुख्यायल पर आयोजित अमृत कलश यात्रा लखनऊ जाने के पूर्व विभिन्न गांवों से ग्राम प्रधान , आंगनवाड़ी कार्यकर्ती तथा सफाईकर्मी जुलूस के रूप में तिरंगे के साथ भारत माता की जय के नारे लगाते पहुँचे। हर ग्राम प्रधान अपने गांव के प्रतिनिधि स्वरूप कलश लेकर पहुँचे। इस दौरान ब्लाक पर उत्सव जैसा माहौल रहा।

सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेने की रही होड़- ब्लॉक मुख्यालय अमृत कलश यात्रा के अवसर पर बने सेल्फी प्वाइंट पर सेना व कलश के साथ सेल्फी लेने की होड़ दिखी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सफाईकर्मी परेशान रहे। सीआईएसफ के जवानों व शहीद परिवारों के साथ फोटो व सेल्फी की होड़ दिखी। इस बीच गायक कलाकार कन्हैया यादव व बिहारी विश्वकर्मा द्वारा स्वच्छता, देशभक्ति पर लोकगीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी।

जौनपुर में मुठभेड़: पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे बदमाश को लगी गोली

प्रखर जौनपुर। जिले के मछलीशहर थाना क्षेत्र में शनिवार रात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। दोनों बदमाश लूट के एक मामले में वांछित थे। रात करीब साढ़े नौ बजे पुलिस टीम मछलीशहर थाना क्षेत्र के कौरहा के पास जांच कर रही थी। इसी बीच दो लोग बाइक से बरईपार की तरफ से आ रहे थे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो दोनों भागने लगे। भागते समय बदमाशों ने फायरिंग भी की। एक गोली मछलीशहर थानाध्यक्ष के बुलेट प्रुफ जैकेट में लगी।

पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की बदमाश अजय निषाद उर्फ जस्टिस (34) निवासी जोगियापुर कोतवाली जौनपुर के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर बाइक समेत गिर गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। वहीं मौके से भाग रहे दूसरे बदमाश को भी दौड़ाकर पुलिस ने पकड़ लिया।

सीओ अतर सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। दूसरे आरोपी को भी पकड़ लिया गया। घायल बदमाश को अस्पताल ले जाया गया है

उत्तरी कश्मीर के बुरहान रैना ने गोवा में औरा मिस्टर मिस और मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में तीन खिताब जीते

प्रखर कश्मीर। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के रहने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी बुरहान रैना ने गोवा में आयोजित औरा मिस्टर मिस और मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन से प्रतियोगिता की दुनिया में तहलका मचा दिया हैं। रैना की जीत की यात्रा मिस्टर जम्मू और कश्मीर के प्रतिशिठत खिताब के साथ शुरू हुई, जो उनके चुंबकीय करिश्मा और मनमोहक मंच उपस्तिथि को दशार्ता हैं। हालाँकि, उनकी प्रतिभा और समपर्ण ने सीमाओं को पार कर लिया क्यूंकि उन्होंने मिस्टर परफेक्ट बॉडी और मिस्टर बेस्ट कौसटीयूम का खिताब हासिल करते हुए अतिरिक्त प्रशंसाए हासिल कीं। उनकी बेदाग काया और शैली में फिटनेस, फैशन और रचनात्मक अभिव्यक्ति का शानदार मिश्रण दिखाई दिया। गोवा प्रतियोगिता में रैना का शानदार प्रदर्शन असाधारण से काम नहीं था, जिससे उन्हें तीन प्रतिष्ठित खिताब मिले और विभिन्न श्रेणियों में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। चरम शारीरिक फिटनेस के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और उनके उल्लेखनीय मॉडलिंग कौशल ने न्यायाधीशों और दर्शको दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी निर्विवाद प्रतिभा, शिष्टता और शालीनता के साथ, रैना ने जजों पर एक अमिट छाप छोड़ी, और बेहद प्रतिस्पर्धी शीर्ष 5 में एक प्रतिशिठत स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत को उजागर करती है बल्कि कश्मीर के बारामुला जिले के भीतर अविश्सवासनिये प्रतिभा और क्षमता पर भी सकारात्मक प्रकाश डालती हैं। औरा मिस्टर मिस और मिसेज इंडिया प्रतियोगिता ने अपने प्रतिभागिओ की सुंदरता, करिश्मा और विविधता का जश्न मानाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया, साथ ही हमारे देश के हर कोने में मौजूद अपार प्रतिभा को भी प्रदर्शित किया। बुरहान रैना की विजयी हैट्रिक और ग्रैंड फिनाले में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धी दुनिया में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया है, जिससे पूरे उत्तरी कश्मीर को गौरव और सम्मान मिला हैं।

ग्राम सभा के पोखरा की जमीन पर मकान निर्माण की शिकायत

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। तालाबों का वजूद बचाने के लिए सरकार के प्रयासों क्यों बावजूद जिम्मेदार आगे नहीं आ रहे हैं कहीं ग्राम प्रधान की अनदेखी तो कहीं मिली भगत भूमाफियाओं द्वारा तालाब की जमीन पर अवैध रूप से मकान निर्माण करवा कर कब्जा किया जा रहा है जिसके कारण तालाब पोखरो का क्षेत्रफल का दायरा सिमटता जा रहा है। वहीं अवैध रूप से निर्माण करने वाले लोग पोखरा बैनामा कराने की बात कहकर अपने निर्माण कार्य को बैध बताते हैं। शनिवार को सहजनवा तहसील अंतर्गत ग्रामसभा-सीहापार निवासी छविनाथ पुत्र बीरबल ने अपने ग्राम सभा में सरकारी पोखरा व धोबीघाट के नाम से दर्ज जमीन पर प्रधान पति और लेखपाल की मिली भगत से ग्राम सभा के एक व्यक्ति को झूठा बैनामा कर देने तथा कब्जा देने की शिकायत उपजिलाधिकारी सहजनवां को दर्ज कराई। छविनाथ ने दिए शिकायती पत्र में बताया है कि ग्राम में स्थित जमीन जिसका गाटा संख्या 526 हैं। जिस पर एक पोखर दर्ज है को प्रधान पति राहुल शुक्ला तथा हल्का लेखपाल के मिली भगत से मिट्टी डालकर अपने सहयोगी बेचू पुत्र सीतारा, महेंद्र पुत्र चंद्रिका,को कब्जा देने हेतु पटवाया गया है उपरोक्त लोग उक्त भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण का कार्य कर रहे हैं इस प्रकरण को लेकर कई बार प्रार्थी द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है परंतु अभी तक कोई आवश्यक कार्रवाई नहीं हो सकी। शिकायतकर्ता द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेने तथा उक्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। इस संदर्भ में सहजनवां उप जिलाअधिकारी कुंवर सचिन सिंह से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन बंद था वही तहसीलदार सहजनवा राकेश कनौजिया ने बताया उक्त प्रकरण में मामले की जांच करवा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

त्यौहारों के मद्देनजर कोतवाली में हुई बैठक

प्रखर जखनिया गाजीपुर। भुडकुडा कोतवाली में दशहरा त्योहार नजदीक आने से शांति व्यवस्था व अराजक तत्वो को चिन्हित करने के लिए उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह व क्षेत्राधिकारी शेखर सेंगर सिंह ग्राम प्रधानों व क्षेत्र के संभ्रांत लोगों संग बैठक कर दशहरा त्योहार को सफललता के साथ शांति ढंग से संपन्न कराने के लिए उप जिलाधिकारी ने कहा कि यह त्यौहार बहुत ही पवित्र त्यौहार है इस दौरान भुडकुडा क्षेत्र के 10 स्थानो पर दुर्गा पूजा के लिए पंडाल व जगह-जगह मेले का आयोजन भी किया जाता है। जिसे शांति ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करने के लिए आम लोगों को आगे आना होगा। बताया कि त्योहारों के अवसर पर गांव में दूर दराज के अन्य लोग भी आते हैं यदि इसमे कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है, तो उसकी सूचना पुलिस को तत्काल देवे तथा पंडाल के संचालक अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें। मौके पर कोतवाल तारावती, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि झून्ना सिंह मदरा, अशोक गुप्ता जखनिया, सोनू सिंह झोटना उमाशंकर यादव, दयाशंकर सिंह सहित काफी संख्या में ग्राम प्रधान व पंडाल के आयोजन भी रहे।

अभिमन्यु ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाकर दिया बड़ा योगदान : विधायक

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी गांव में श्री अभिमन्यु यादव पीजी कॉलेज में प्रतिमा अनावरण पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तीन दर्जन से अधिक मेधावी छात्राओं को विधायक ने सम्मानित किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मल्हनी के विधायक लकी यादव ने श्री अभिमन्यु यादव पीजी कॉलेज परिसर में स्वः अभिमन्यु यादव के पुण्यतिथी पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। और समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि अभिमन्यु यादव ने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा संस्थान को खड़ा कर शिक्षा की अलख जगाकर बडा योगदान दिया। जिससे यहां के छात्रों को दूर दराज पढ़ने के लिए नहीं जाना पड़ता है। उन्हें प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा यही मिल जाती है । विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस उन्हें सुविधा संसाधन मिले । आज ग्रामीण क्षेत्र से निकले हुए बच्चे बडी प्रतियोगी परीक्षाओ में अपने हुनर का लोहा मनवा रहे हैं। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राजबहादुर ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी दौर में तैयारी करने का जोर दिया। कॉलेज द्वारा आयोजित ज्ञान दर्शन प्रतियोगिकी परीक्षा में 300 छात्रों ने हिस्सा लिया था ,उसमें तीन दर्जन छात्र सफल हुए थे। जिन्हें विधायक लकी यादव व अन्य अतिथियो ने छात्रों लैपटॉप साइकिल प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान बीच-बीच में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम नाटक मंचन

सामाजिक कुरीतियों पर संबोधन कर किया। कॉलेज के प्रबंधक मुन्नेलाल यादव ने सभी अतिथियों को साल स्मृति चिन्ह देकर भेंट किया और आभार ज्ञापन किया। संचालन संतोष कुमार कवि ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ रामानंद यादव ,मेराज अहमद, सुभाष यादव, पूर्व संघ उपाध्यक्ष मनीष यादव, जिलाजीत, बांकेलाल ठेकेदार, जितेंद्र यादव, हीरालाल, राकेश कुमार, विनोद यादव ,धर्मेंद्र कुमार ,रामनवल गुड्डू ,राजेश मास्टर, सूरज यादव, रामकृपाल मौजूद रहे।

मृत्यु से बचने का नहीं, अपितु मृत्यु को सँवारने का प्रयास करें

प्रखर वाराणसी। लोग मृत्यु से बचने का उपाय करते देखे जाते हैं परन्तु हमें यह समझना चाहिए कि जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित रूप से होती ही है। इसलिए मृत्यु से कोई व्यक्ति नहीं बच सकता। हमें मृत्यु को सॅवारने का प्रयास करना चाहिए। यदि मृत्यु को सँवार लेंगे तो मुक्ति प्राप्त हो जाएगी। उक्त उद्गार परमाराध्य परमधमार्धीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्दः सरस्वती 1008 ने काशी के केदार क्षेत्र के शङ्कराचार्य घाट पर स्थित श्रीविद्यामठ में कोरोना काल के मृतकों की सद्गति हेतु आयोजित मुक्ति कथा कहते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी तरल पदार्थ को रखने के लिए बर्तन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार जीव भी किसी न किसी शरीर में रहता है। पानी बर्तन के अनुसार आकार धारण कर लेती है इसी प्रकार जीव भी जिस शरीर में जाता है उस अनुसार आकार धारण कर लेता है। शरीर को सॉचे की तरह

और मन को तरल पदार्थ की तरह से समझना चाहिए। शङ्कराचार्य जी ने कहा कि जब जन्म समाप्त होगा तो मृत्यु भी समाप्त हो जाएगी। हमें अपने जन्म को समाप्त करने की आवश्यकता है। जन्म समाप्त करने का उपाय है ज्ञान। ज्ञान की अग्नि से सभी प्रकार के कर्म नष्ट हो जाते हैं और जब कर्म नष्ट हो जाते हैं तो प्रारब्ध फल नहीं बनता। जब फल भोग नहीं रहता तो फिर जन्म भी नहीं होता। आगे कहा कि हम अलग हैं और हमसे हमारा शरीर अलग है इसे ठीक से जान लेना चाहिए। हम कभी नहीं जीते और मरते अपितु हमारा शरीर ही जीता और मरता रहता है। पूज्यपाद शङ्कराचार्य जी के प्रवचन के पूर्व आचार्य वीरेश्वर दातार जी ने कलश पूजन व अन्य धार्मिक कृत्य सम्पादित कराए। पं शिवचरित दुबे जी ने भागवत मू। पारायण पाठ किया। पं रास शुक्ल, पं प्रशान्त तिवारी, पं नीलेश झा ने जप अनुष्ठान किया। गाजियाबाद के पं अरविन्द भारद्वाज जी ने शङ्कराचार्य जी का पादुका पूजन किया। श्रीमद्भागवत महापुराण की आरती व प्रसाद वितरण से कार्यक्रम का समापन हुआ। कथा का सजीव प्रसारण सुबह 8 से 11 बजे तक ओटीटी 56 और 1008.guru चैनल पर प्रतिदिन हो रहा है जिस देश-विदेश के अनेकों जन देख व सुन रहे हैं। उक्त जानकारी ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।

प्रबुद्धजन काशी के तत्वावधान मे डेंगू एवं चिकनगुनिया रोगों से रोकथाम एवं बचाव हेतु निःशुल्क होम्योपैथिक दवा का वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रबुद्धजन काशी के तत्वावधान मे डेंगू एवं चिकनगुनिया सहित वाराणसी मे तीब्रगति से फैले संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव हेतु बृहद स्तर पर जागरूकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक दवा वितरण अभियान के क्रम में रविवार कों पांडेयपुर चौराहे पर शिविर लगाकर निःशुल्क होम्योपैथिक दवा वितरित की गई। शिविर का शुभारंभ करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश गुप्ता ने कहा कि किसी दुःखी व्यक्ति का दुख दूर करना ही सबसे सच्ची मानव सेवा है। प्रबुद्धजन काशी द्वारा पूरे शहर में शिविर लगाकर दवा वितरित करना अत्यंत सराहनीय है क्षेत्रीय पार्षद मदन दुबे ने बताया कि पूर्व के शिविर में वितरित दवाओं से क्षेत्रीय जनता को बहुत लाभ हुआ था और बढ़ते प्रकोप को देखते हुए इसी क्षेत्र में दूसरी बार यह शिविर लगा है। शिविर में अध्यक्ष डॉ संजय सिंह गौतम, महासचिव देव कुमार राजू, सतीश गुप्ता, सोनू राय, राधवेश, इंद्रजीत सिंह, अरुण कुमार सिंह, संजीव कुमार सिंह आदि लोगों ने सहयोग किया पार्षद मदन दुबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

लोकजन ने स्थापना दिवस पर निकाली रैली

प्रखर पिंडरा वाराणसी। लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस पर रविवार को एक बड़ी रैली निकाली गई जो फूलपुर से होते हुए बाबतपुर में जाकर समाप्त हुई। इस दौरान दो पहिया और चार पहिया वाहनों से सैकड़ो लोग शामिल हुए। रविवार को सुबह फूलपुर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ बीरेंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में निकली जो कठिराव, नयेपुर, कुआर, बसनी होते हुए बाबतपुर स्थित कार्यालय पर जाकर सभा के रूप में तब्दील हो गई। सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहाकि पार्टी अपने संघर्षों को जारी रखने हुए अन्याय, भ्रष्टाचार, महंगाई के खिलाफ लड़ती रहेगी। आम आदमी को काम मिले और हर आदमी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिले। जिससे देश एक समृद्धि हो सके। अध्यक्षता को चंद्रप्रकाश सेठ व संचालन राजेश विश्वकर्मा व धन्यवाद ज्ञापन जिलाध्यक्ष रामचंद्र यादव ने दिया। इस दौरान दिनेश शर्मा,रघुवर विश्वकर्मा, रविशंकर पटेल, घनश्याम, गौरीशंकर, सभाजीत,महेंद्र, कुलदीप, धमेंद्र प्रजापति समेत सैकड़ो लोग रहे।

युवा पत्रकार को किया सम्मानित

अंजुमन गुलमान-ए-अशरफ सजावट कमेटी ने बढ़ाया सम्मान

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शनिवार और रविवार को खेतासराय कस्बे में भब्य सजावट की गई। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुये। कस्बे की प्रसिद्ध अंजुमन गुलमान-ए-अशरफ सजावट कमेटी की टीम ने नगर को विद्युत झालरों से आकर्षक सजावट किया था। जिसे मीडिया के माध्यम से देश दुनिया मे पहुचाने पर युवा पत्रकार मोहम्मद अरशद व शहनवर अंसारी को स्मृति चिन्ह देकर समानित किया गया। यह सम्मान देते हुये अंजुमन गुलमान-ए-अशरफ सजावट कमेटी के लोगों ने कहा कि स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करना बड़े ही गर्व की बात है। इस मौके पर अबदाल अहमद,नवाज अहमद, समीर अंसारी,साकिब खान, सलाउद्दीन अंसारी, युवा सपा नेता अनुराग यादव, मोहम्मद फैजान इराकी, मोहम्मद अलकैस इराकी, फैज खान समेत तमाम लोग रहे।

स्व. मुलायम सिंह यादव का प्रथम पुण्यतिथि 10 अक्टूबर को मनाएगी सपा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के संरक्षक एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री स्व मुलायम सिंह यादव का प्रथम पुण्य तिथि दस अक्तूबर को मनाया जाएगा` सपा जिलाध्यक्ष सुजित यादव लक्कड़ एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि धरती पुत्र के नाम से विख्यात परमश्रद्धेय मुलायम सिंह यादव का प्रथम पुण्य तिथि दस अक्टूबर दिन मंगलवार को

दोपहर बारह बजे पार्टी कार्यालय अर्दली बाजार में श्रधांजलि सभा का आयोजन होगा। कार्यक्रम मे सभी सेक्टर एवं बूथ प्रभारी के साथ- साथ वरिष्ठ नेताओ कार्यकर्ताओ को निर्देशित कर दिया गया है।

पुलिस का जखनियां में फ्लैग मार्च, वाहनों की चेकिंग से हड़कंप

प्रखर जखनिया गाजीपुर। स्थानीय कस्बा सहित भुडकुंडा रामसिंहपुर, घटारो तक क्षेत्राधिकारी शेखर सिंगर सिंह के नेतृत्व में भुडकुंडा कोतवाल तारावती ने अपने हमराहियों के साथ कस्बा की सुनारी गली , सब्जी मंडी, यूनियन बैंक ,नहरी मार्ग तक दर्जनो पुलिस कर्मियों के साथ पैदल फ्लैग मार्च करते हुए वाहनों की, चेकिंग की भनक लगते ही बिना कागजात के चल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। इनके द्वारा देसी,व अंग्रेजी शराब की दुकानों में औचक निरीक्षण के दौरान दुकान के पास घूम रहे मनचले भागने में अपनी भलाई समझी। इस दौरान 20 बाहनों के कागजात व हेलमेट नहीं होने पर ऑनलाइन चालान भी किया गया। क्षेत्राधिकार शेखर सिंह सिंगर सिंह ने बताया कि समय-समय पर औचक निरीक्षण करना आवश्यक है। देर रात तक शराबी बाजारों में नहरी मार्ग पर घूमने की सूचना मिलती है। कहा कि इधर-उधर घूमने और बिना कामकाज के देर रात तक बाजार में घूमने वालों की अब खैर नहीं है। इनके साथ भुडकुडा कोतवाली के दर्जनों पुलिसकर्मी व महिला पुलिसकर्मी भी रही।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं